mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-54 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
24 फरवरी 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पश्चिम बंगाल की जनता के लिए पीएम ने लिखी चिट्ठी

सीएए का जिक्र, घुसपैठ पर लगाम; राज्य के विकास के साथ कानून-व्यवस्था पर बात रखी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के नागरिकों के नाम हिंदी और बांग्ला भाषा में एक खुला पत्र लिखा है। इमसें उन्होंने सीएए का जिक्र करते हुए घुसपैठ पर लगाम, राज्य के विकास, कानून-व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के मुद्दों पर अपनी बात रखी है।

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री ने पत्र की शुरुआत जय मां काली के जयकारे के साथ की। उन्होंने लिखा कि अब बस कुछ ही महीने में पश्चिम बंगाल का भाग्य सुनिश्चित हो जायेगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह आपके सोचे-समझे फैसले पर निर्भर करता है। मेरे सोनार बंगाल के सपने देखने वाला हर एक जवान, बूढ़ा और महिलाएं आज बहुत पीड़ा में हैं। उनकी पीड़ा से आज मेरा हृदय भी व्यथित है। इसलिए, मैंने मन की गहराइयों से एक संकल्प लिया है, पश्चिम बंगाल को 'विकसित' और समृद्ध बनाने का संकल्प।

उन्होंने आगे लिखा- पिछले 11 वर्षों में देशवासियों के आशीर्वाद को ताकत बनाकर मेरी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

किसानों के कल्याण से लेकर युवाओं के सपनों को साकार करने तक, और मातृशक्ति के सशक्तिकरण से लेकर समाज के हर वर्ग तक, हमारी नीतियों और निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आज साफ दिखाई दे रहे हैं। राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, आज पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग 'जन-धन योजना' के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत राज्य में 85 लाख शौचालयों का निर्माण किया गया है। जब राज्य की सत्ताधारी पार्टी गरीबों का निवाला छीन रही है, तब हमने छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये का लोन देकर मदद का हाथ बढ़ाया है।

'अटल पेंशन योजना' के तहत 56 लाख वरिष्ठ नागरिकों को बुढ़ापे में आत्मनिर्भर बनाने का सौभाग्य मुझे मिला है। 'उज्ज्वला योजना' के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक परिवारों को रसोई गैस देकर माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाकर मैं धन्य हूं।जो किसान पूरे देश का पेट भरते हैं, आज पश्चिम बंगाल में वही अन्नदाता अपने परिवार का पेट पालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे कठिन परिस्थिति में 'किसान सम्मान निधि' के जरिए 52 लाख से अधिक किसानों को सीधे आर्थिक सहायता देकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाकर, मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं।

स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल देश की अर्थव्यवस्था की दिशा तय करता था और औद्योगिक विकास में अग्रणी था। लेकिन आज इस गौरवशाली राज्य की जर्जर हालत देखकर मेरा मन व्यथित हो उठता है। पिछले छह दशकों के कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पश्चिम बंगाल को जो अपूरणीय क्षति हुई है, उसे बयान नहीं किया जा सकता। स्वामी विवेकानंद और ऋषि अरविंद ने जिस बंगाल का सपना देखा था, वह आज वोट-बैंक की संकीर्ण राजनीति, हिंसा और अराजकता में जकड़ा हुआ है और यह हम सबके लिए अत्यंत पीड़ादायक है। पश्चिम बंगाल की धरती के सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'आजादी के ललकार' ने कभी पूरे देश को प्रेरित किया था। आज उनकी ही पवित्र भूमि अवैध घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से कलंकित है। कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर के सोनार बंगाल पर नकली वोटर हावी हो रहे हैं। अराजकता के अंधेरे में डूबते पश्चिम बंगाल को देखकर आज पूरा देश चिंतित है।

कब तक हम चुपचाप यह सब सहते रहेंगे? अब परिवर्तन अनिवार्य है। देश के कई राज्यों में आज जीवन स्तर बेहतर हुआ है, गरीबों के चेहरे पर मुस्कान आई है। 'आयुष्मान भारत' से स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है, युवाओं को रोजगार मिला है और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। पश्चिम बंगाल भी इस विकास और प्रगति का पूरा हकदार है।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले-मैं कहीं भाग नहीं रहा हूं, सामना करूंगा

जिन छात्रों के यौन शोषण का आरोप, वह हमारे गुरुकुल के नहीं

प्रयागराज/ वाराणसी, एजेंसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बच्चों से यौन शोषण की ऋढ्क्र होने के बाद प्रयागराज पुलिस ने जांच तेज कर दी है। सोमवार दोपहर पुलिस टीम वाराणसी पहुंची। टीम शंकराचार्य से पूछताछ कर सकती है। जरूरत पड़ने पर गिरफ्तारी भी कर सकती है। इधर, सोमवार सुबह शंकराचार्य ने वाराणसी के आश्रम में वकीलों के साथ बैठक की। माना जा रहा कि वे गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं। बैठक के बाद शंकराचार्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा-मैं कहीं भाग नहीं रहा हूं। पुलिस का सामना करूंगा। जिन छात्रों के यौन शोषण का आरोप लगा है, वे उनके गुरुकुल के नहीं हैं। जनता को यूपी पुलिस पर भरोसा नहीं है, जहां भाजपा सरकार नहीं है, उस राज्य की पुलिस से जांच कराई जाए।

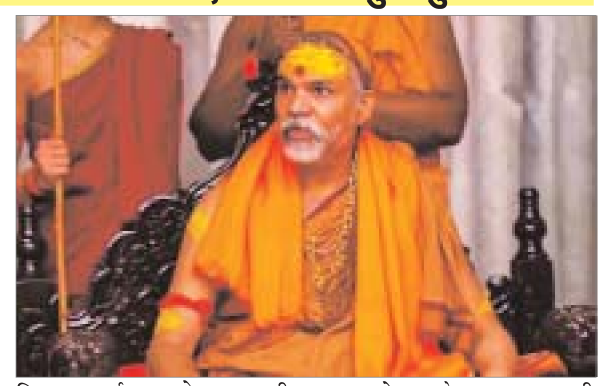

रविवार को पुलिस शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी के साथ माघ मेला क्षेत्र पहुंची। वहां उस स्थान का निरीक्षण किया गया, जहां शंकराचार्य का शिविर लगा था। पुलिस ने शिविर के आने-जाने के रास्तों और आसपास के इलाके का नक्शा तैयार किया।

दरअसल, 24 जनवरी को आशुतोष महाराज ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की थी। उन्होंने माघ मेला-2026 और महाकुंभ-2025 के दौरान बच्चों के साथ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। इसके बाद 8 फरवरी को उन्होंने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए प्रयागराज की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में केस दायर किया।

13 फरवरी को दो बच्चों को कोर्ट में पेश किया। 21 फरवरी को बच्चों के बयान कैमरे के सामने दर्ज किए गए। कोर्ट के आदेश पर उसी दिन झूंसी थाने में ऋढ्क्र हुई। मामले में अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद और 2-3 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है।

दिल्ली विधानसभा को बम ब्लास्ट की धमकी

खालिस्तानी ग्रुप के नाम से आया ई-मेल; सुबह आर्मी-एयरफोर्स स्कूल को थ्रेट मिली थी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा भवन और लाल किले को बम ब्लास्ट में उड़ाने की धमकी दी गई है। सोमवार को खालिस्तानी ग्रुप के धमकी का ई-मेल भेजी गया है।

जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुई, विधानसभा भवन की सर्चिंग की जा रही है। बम स्क्वाड और डॉग स्क्वॉड सर्च में जुटी हैं। फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

वहीं, लाल किला की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इससे पहले दिल्ली स्थित धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड के एयरफोर्स बाल भारती स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी।

जानकारी मिलने पर दिल्ली पुलिस, बम स्क्वाड, डॉग स्क्वॉड और दिल्ली फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची। पूरा कैंपस खाली कराया गया। हालांकि जांच में संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

किश्तवाड़ में टेरर नेटवर्क का खात्मा

सेना बोली- 326 दिन तक ऑपरेशन चलाया, 7 आतंकी मारे

इनमें जैश कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल

श्रीनगर, एजेंसी। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने X पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा है कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था।

व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और CRPF समेत सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं।गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें 3 आतंकी मारे गए थे।

इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। उधमपुर में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया था।

कौन था जैश का कमांडर सैफुल्लाह

सिक्योरिटी एजेंसियों के शुरुआती अंदाजों से पता चलता है कि रविवार को मारे गए तीन आतंकवादियों में से एक सैफुल्लाह था, जो खुद को जैश ए मोहम्मद का कमांडर बताता था।कहा जाता है कि सैफुल्लाह ने लगभग पांच साल पहले जम्मू और कश्मीर में घुसपैठ की थी। वह सिक्योरिटी फोर्सेस पर कई जानलेवा हमलों का मास्टरमाइंड था, जिसमें जुलाई 2024 का हमला भी शामिल है जिसमें चार सैनिक मारे गए थे।

एआई समिट हंगामा, 5वां आरोपी ग्वालियर से गिरफ्तार

यूथ कांग्रेस नेशनल प्रेसिडेंट से भी पूछताछ; आरोपी कृष्ण हरि की कार से पीएम फेस वाली टीशर्ट मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन मामले में दिल्ली पुलिस ने 5वीं गिरफ्तारी की है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से यूथ कांग्रेस नेता जीतेंद्र यादव को गिरफ्तार किया। इसके अलावा 2 और सदस्यों को हिरासत में लिया है। सोमवार को पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस के दिल्ली अध्यक्ष उदय भानु चिब से भी पूछताछ की है। ग्वालियर से हिरासत में लिए गए दो लोगों ने राजा गुर्जर और अजय कुमार के नाम शामिल हैं। आरोप है कि ये सभी शर्टलैस प्रदर्शन में शामिल थे। वीडियो के जरिए इनकी पहचान की गई है।

दिल्ली की तिलक नगर थाना ने यह एक्शन लिया है। सभी को दिल्ली लाया गया है। इस मामले में पुलिस गैर जमानती धाराओं में FIR दर्ज की है। 21 फरवरी को पटियाला कोर्ट ने पहले से गिरफ्तार 4 आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा था। दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर एआई समिट के दौरान शर्टलैस होकर पीएम मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे।

22 फरवरी- कृष्ण हरि की कार से टी-शर्ट बरामद

दिल्ली पुलिस ने आरोपी और यूथ कांग्रेस के नेता कृष्ण हरि की गाड़ी बरामद की। कार से पीएम मोदी चेहरा छपी टी-शर्ट और पोस्टर भी मिले हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला

बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं

उसके काम को नजरअंदाज करना नाइंसाफी; गृहिणी का योगदान पति को ठीक से काम करने लायक बनाता है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं होती। घर संभालना, बच्चों की देखभाल और परिवार की मदद करना भी काम है, भले ही वह सैलेरी या टैक्स योग्य आय के रूप में दिखाई न दे। ऐसे में गुजारा भत्ता तय करते समय उसके योगदान को नजरअंदाज करना गलत है।

जस्टिस स्वर्णा कांत शर्मा ने 16 फरवरी को दिए इस फैसले में कहा कि घरेलू काम का भी आर्थिक महत्व होता है और इसे नजरअंदाज करना नाइंसाफी है। हाईकोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी का काम ही कमाने वाले पति को ठीक से काम करने लायक बनाता है।

मामला 2012 में हुई शादी से जुड़ा है। पत्नी का आरोप है कि 2020 में पति ने उसे और नाबालिग बेटे को छोड़ दिया। निचली अदालतों ने यह कहते हुए अंतरिम मेंटेनेंस देने से इनकार कर दिया था कि पत्नी शिक्षित और खुद कमाने में सक्षम है, लेकिन उसने नौकरी नहीं की।

पूर्व भाजपा सांसद ने मुस्लिम महिलाओं से कंबल वापस लिए

● जौनापुरिया बोले-जो मोदी को गाली देता है, उसे ये लेने का हक नहीं

निवाई, एजेंसी। टोंक के पूर्व बीजेपी सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने कंबल वितरण कार्यक्रम में मुस्लिम महिलाओं से कंबल वापस ले लिए। जौनापुरिया ने कहा-'जो मोदी को गाली देता है, उसे ये कंबल लेने का हक ही नहीं है। पूर्व सांसद कंबल बांट रहे थे तभी एक महिला से उसका नाम पूछा। सकुरान खान सुनते ही भड़क गए, कहा- हट एक तरफ, कंबल यहीं छोड़ दो।

मामला निवाई क्षेत्र के करेड़ा बुजुर्ग गांव में स्थित सीताराम जी मंदिर परिसर में रविवार दोपहर 3:30 बजे का है। महिलाओं का कहना है कि पूर्व सांसद ने पहले उन्हें कंबल दे दिया। जब पता चला कि वे मुस्लिम हैं तो कंबल वापस ले लिया। वहीं जौनापुरिया ने कहा-यह मेरा पर्सनल कार्यक्रम था, सरकारी स्कीम नहीं थी। जानकारी के करेड़ा बुजुर्ग गांव में स्थित सीताराम जी मंदिर में पूर्व सांसद ने कंबल वितरण कार्यक्रम रखा था। कार्यक्रम में कुछ मुस्लिम महिलाएं भी बैठीं थीं। इस पर पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया बोले-'क्या नाम हे तेरा। महिला ने कहा- सकुरान खान।

कर्नाटक में दलित जोड़े को मंदिर जाने से रोका

आरोपी बोला- दलितों को घर में ही पूजा करनी चाहिए; 20 फरवरी को हिंदु-मुस्लिम विवाद हुआ

तुमाकुरू, एजेंसी।कर्नाटक के तुमाकुरू जिले में दलित जोड़े को मंदिर में एंट्री से रोका गया। युवक-युवती की हाल ही में शादी हुई थी। जैसे ही दोनों मंदिर पहुंचे नारायणप्पा नाम के व्यक्ति उन्हें रोक दिया।

उसने कपल से कहा कि दलितों लोगों को घर पर ही पूजा करनी चाहिए, मंदिर नहीं आना चाहिए। घटना 21 फरवरी को तुमकुरु गांव के अरसम्मा मंदिर में हुई।पीड़ित जोड़े ने 5 लोगों के खिलाफ पुलिस शिकायत की। उनके मुताबिक आरोपी नारायणप्पा से सरेआम धमकाया था। मंदिर में मौजूद अन्य लोगों ने उसका समर्थन किया था।शिकायत के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी नारायणप्पा को गिरफ्तार किया। अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस के कहना है कि फरार लोगों की तलाश जारी है।

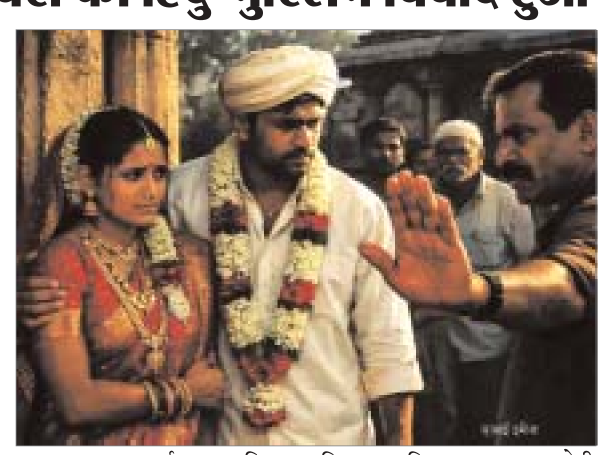

नेपाल- बस हाईवे से नदी में गिरी, 18 की मौत

25 घायल, मरने वालों में 2 विदेशी नागरिक; कंट्रोल खोने से हादसा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं।

आर्म्ड पुलिस फोर्स (APF) के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

बस (Ga 1 Kha 1421) पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी, तभी किसी कारण ड्राइवर का बस से नियंत्रण खो गया और बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा देर रात करीब रात 1:30 बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग इलाके में हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की अन्य वजहों की भी जांच कर रही है।

हादसे के समय बस में 44 लोग सवार थे: मरने वालों में 12 पुरुषों और 6 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में कुल 44 यात्री सवार थे।

घायल 26 यात्रियों को बचा लिया गया है। कुछ का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जबकि अधिकांश को आगे के इलाज के लिए काठमांडू रैफर कर दिया गया है।

यह दुर्घटना आधी रात को होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हुई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर बचाव कार्य किया।

बारातियों से भरी बस खाई में गिरी थीइससे पहले नेपाल के बैतड़ी जिले में 5 फरवरी को बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी थी। हादसे में 13 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए थे।

बस गांव से दुल्हन लेकर सुनकुड़ा जा रही थी। बस एक मोड़ पर चढ़ाई के दौरान अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ था।

वहीं, साल 2024 में लैंडस्लाइड की वजह से दो बसें त्रिशूली नदी में बह गई थीं। दोनों बसों में चालकों समेत 63 लोग सवार थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में 7 भारतीयों और एक बस चालक की मौत हुई।

प्रियंका गांधी राजनीति के लिए जुबिन गर्ग के अंत्येष्टि स्थल पर पहुंचीं, मुख्यमंत्री हिमंत ने साधा निशाना

गोवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा पर जुबिन गर्ग के निधन पर राजनीति करने का आरोप लगाया। यह आरोप उन्होंने प्रियंका के जुबिन गर्ग के अंत्येष्टि स्थल पर पहुंचने के दो दिन बाद लगाया। सरमा ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों के साथ बातचीत में घोषणा की कि विधानसभा चुनाव समाप्त होने तक वह जुबिन गर्ग के अंत्येष्टि स्थल जुबिन क्षेत्र में नहीं जाएंगे।

उन्होंने कहा, जुबिन क्षेत्र का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। प्रियंका गांधी राजनीतिक उद्देश्यों से असम आईं और अंत्येष्टि स्थल पर सिर्फ दो मिनट बिताए। सरमा ने कहा कि राजनीतिक उद्देश्यों से आने वाले किसी भी व्यक्ति को जुबिन क्षेत्र नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले तीन महीनों में कई बार राज्य का दौरा करने के बावजूद वहां नहीं गए।

सरमा ने आरोप लगाते हुए कहा, प्रियंका गांधी शहीद स्मारक या डॉ. भूपेन हजारिका के स्मारक पर क्यों नहीं गईं? कांग्रेस खुलेआम जुबिन गर्ग के मुद्दे पर राजनीति कर रही है। उन्होंने लोगों को भावुक किया और वोट मांगे। शुक्रवार को प्रियंका ने गर्ग के अंत्येष्टि स्थल का दौरा किया और कहा कि यह दिग्गज संगीतकार असम की आत्मा की आवाज थे और वह राजनीति से ऊपर हैं। कांग्रेस नेता, जो आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों का चयन करने के लिए राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं, ने बिना मीडिया की मौजूदगी के गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनपुर में स्थित जुबिन क्षेत्र का अचानक दौरा किया।

प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग का पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में निधन हो गया था। वह उत्तर पूर्व भारत महोत्सव (एनईआईएफ) के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए द्वीपीय देश में गए थे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले साल नवंबर में जुबिन गर्ग के जन्मदिन पर लगभग 12,000 भाजपा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया था। उन्होंने कहा, किसका योगदान अधिक है - प्रियंका गांधी का, जिन्होंने दो मिनट दिए, या मेरा, जिसने 12,000 रक्तदाताओं की व्यवस्था की? लोग गर्ग के नाम का इस्तेमाल करके राजनीति कर रहे हैं।

सरमा ने कहा कि जुबिन क्षेत्र बनाने के लिए जगह का चयन और सारी व्यवस्था खुद उन्होंने ही की थी। उन्होंने कहा, अगर प्रियंका गांधी और राहुल गांधी में हिम्मत है, तो वे शहीद स्मारक जाकर यह स्वीकार करें कि असम आंदोलन के दौरान उनके दादा-दादी ने गुनाह किए थे। पिछले साल दिसंबर में राज्य की राजधानी में शहीद स्मारक का उद्घाटन किया गया था, जो छह साल तक चले असम आंदोलन में शहीद हुए असमिया समुदाय के 850 से अधिक लोगों की याद में बनाया गया है।

सरमा ने कहा, चुनाव खत्म होने तक मैं जुबिन क्षेत्र नहीं जाऊंगा। मेरा मानना ??है कि चुनाव लड़ रहे किसी भी उम्मीदवार को वहां नहीं जाना चाहिए। गर्ग की मौत के मामले में त्वरित सुनवाई के लिए त्वरित अदालत स्थापित करने की जनता की मांग के बारे में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस संबंध में एक षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने कहा, जिस न्यायाधीश की अदालत में यह मामला अभी है, उन्होंने आरोपियों की तीन जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। इसे देखकर दो अन्य आरोपियों ने भी अपनी जमानत याचिकाएं वापस ले लीं।

सरमा ने दावा किया कि आरोपियों की मदद के लिए इस न्यायाधीश से मामला छीनने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा, यह एक खास न्यूज चैनल, एक खास अखबार और कांग्रेस की मिलीभगत है, जिसका मकसद न्यायाधीश को बदलना, चुनाव से पहले आरोपियों को जमानत दिलाना और इसका दोष भाजपा पर डालना है। सरमा ने कहा, यह महज राजनीति है। जमानत दिलवाने और भाजपा को मुश्किल में डालने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि असम मंत्रिमंडल 26 फरवरी को इस मामले को त्वरित अदालत को सौंपने के बारे में फैसला करेगा।

रमजान में मुस्लिम कर्मचारियों को शाम 4 बजे छुट्टी देने की मांग, अबू आजमी ने सीएम को लिखा पत्र

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने रमजान के पवित्र महीने के दौरान मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों को शाम 4 बजे छुट्टी देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सरकारों ने अपने मुस्लिम अधिकारियों और कर्मचारियों को रमजान में शाम 4 बजे तक कार्यालय छोड़ने की अनुमति दी है, जिससे उपवास रखने वाले लोग इफ्तार और नमाज के लिए समय निकाल सकें।

अबू आजमी ने इस नीति को अन्य राज्यों के लिए एक अच्छा उदाहरण बताते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर ऐसी ही व्यवस्था लागू करने का अनुरोध किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएगी।

अबू आजमी ने मीडिया से बातचीत में रमजान की खासियतों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि रमजान के दौरान मुस्लिम लोग सुबह 4-5 बजे सहर के लिए उठते हैं, भोजन करते हैं और फिर थोड़ा आराम कर जल्दी ड्यूटी पर निकल जाते हैं। इफ्तार शाम लगभग 6:30 बजे होता है और उसके एक घंटे बाद नमाज अदा की जाती है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि मुसलमानों के लिए रमजान बहुत पवित्र और महत्वपूर्ण महीना है, जिसमें रोजा रखना, इबादत करना और धार्मिक अनुष्ठान शामिल होते हैं। ऐसे में उपवास रखने वाले कर्मचारियों को शाम के समय कुछ राहत मिलनी चाहिए ताकि वे अपनी धार्मिक जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा सकें।

अबू आजमी की क्या है मांग : अबू आजमी ने बताया कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में जारी आदेशों से प्रेरित होकर उन्होंने महाराष्ट्र में भी यह पहल की है। उन्होंने कहा, जब मैंने देखा कि इन राज्यों में मुस्लिम अधिकारियों को 4 बजे छुट्टी मिल रही है, तो मुझे लगा कि महाराष्ट्र में भी ऐसा होना चाहिए। इसलिए मैंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। यह एक अच्छी पहल होगी यदि राज्य सरकार इसे लागू करती है। उनका मानना है कि इससे मुस्लिम कर्मचारियों को धार्मिक और कार्यक्षेत्र दोनों में संतुलन बनाने में मदद मिलेगी, बिना उत्पादकता प्रभावित किए।

यह मांग ऐसे समय में आई है जब रमजान के दौरान कई राज्यों में मुस्लिम कर्मचारियों के लिए विशेष रियायतों की चर्चा हो रही है। अबू आजमी की यह अपील धार्मिक संवेदनशीलता और कार्य-जीवन संतुलन पर आधारित है।

हालांकि, इस प्रस्ताव पर अभी राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। राजनीतिक हलकों में इसे लेकर बहस छिड़ सकती है, लेकिन अबू आजमी ने इसे एक सकारात्मक कदम के रूप में पेश किया है।

अबूधाबी से पेट में लाया 135 ग्राम सोना, अहमदाबाद एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने पकड़ा; पोटी से निकला 3 कैप्सूल

अहमदाबाद,एजेंसी। अहमदाबाद कस्टम्स विभाग ने एयरपोर्ट से एक ऐसे तस्कर को पकड़ा है, जो अबूधाबी से पेट में सोना लेकर आ रहा था। तस्कर ने 24 कैरेट का 135 ग्राम से अधिक सोना निगल रखा था। उसकी संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर कस्टम विभाग ने पकड़ा। सोने को निकालने के लिए कस्टम विभाग ने संदिग्ध को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने मल त्याग के जरिए उसके पेट से 135 ग्राम सोना निकाला। स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम को देखते हुए उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद यात्री को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दरअसल, शाहरुख नामक यात्री आबूधाबी से तस्करी के उद्देश्य से 24 कैरेट शुद्धता वाला 135 ग्राम से अधिक सोना निगल रखा था। अस्पताल में जांच के दौरान डॉक्टरों ने पाया कि यात्री ने मल त्याग के दौरान पीले रंग की तीन बेलनाकार कैप्सूल और एक गोल स्टील रंग की गेंद बाहर निकाली। चौथी गोल वस्तु कीमती धातु की नहीं पाई गई पूछताछ के दौरान शाहरूख ने भी यह स्वीकार कर लिया था कि उसने गोल्ड निगलकर अपने शरीर के भीतर छिपा रखा है।

बाजार में कितनी है कीमत : कस्टम विभाग ने अपने बयान में बताया कि तीन बेलनाकार कैप्सूल में 999 कैरेट का 135.200 ग्राम सोना मौजूद था। इसकी बाजार कीमत 21,89,564 रुपए है। चौथी गोल वस्तु कीमती धातु की नहीं पाई गई। फिलहाल कस्टम्स विभाग द्वारा पूरे मामले की आगे की जांच जारी है और तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच-पड़ताल की जा रही है।

बीएएफटीए 2026 में भारत की गूंजः मणिपुर की 'बूंग' ने लंदन में रचा इतिहास, जीता बेस्ट चिल्ड्रेन फिल्म अवॉर्ड

लंदन, एजेंसी। फरहान अख्तार के एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित एक अलग अंदाज वाली मणिपुरी पृष्ठभूमि की हास्य-ड्रामा फिल्म बूंग ने रविवार को लंदन में सर्वश्रेष्ठ बाल और पारिवारिक फिल्म की श्रेणी में प्रतिष्ठित बाफ्टा पुरस्कार जीता। इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में पहली बार हाथ आजमा रही लक्ष्मीप्रिया देवी ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए मणिपुर में शांति के लिए भावुक अपील की। उन्हें यह पुरस्कार पैडिंगटन द म्यूजिकल के मुख्य किरदार पैडिंगटन बियर से मिला। मंच पर उनके साथ निर्माता फरहान अख्तर, रितेश सिधवानी और सहायक निर्देशक राहुल शारदा मौजूद थे।

देवी ने कहा, यहां तक पहुंचना उस पहाड़ की चोटी पर पहुंचने जैसा लगा, जिसे चढ़ने के बारे में हमें पहले पता ही नहीं था। उन्होंने कामना की कि मणिपुर में शांति लौटे और विस्थापित बच्चों, जिनमें फिल्म के बाल कलाकार भी शामिल हैं, को फिर से उनकी खुशी मिलें और वे फिर से सपने देख सकें। गुगुन किपगेन और बाला हिजाम अभिनीत इस फिल्म ने लिलो एंड स्टिच, आर्को और जूटोपोलिस 2 जैसी फिल्मों को पीछे छोड़कर यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया। ब्रिटिश एकेडमी फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (बाफ्टा) पुरस्कार के 2026 संस्करण का आयोजन थेम्स नदी के किनारे रॉयल फेस्टिवल हॉल में किया गया। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने सेंटिमेंटल वैल्यू के लिए बेस्ट फिल्म नॉट इन इंग्लिश लैंग्वेज पुरस्कार प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने भाषण की नमस्ते से शुरुआत करते हुए कहा कि सिनेमा की असली भाषा भावनाएं हैं। समारोह में लियोनार्डो डी कैप्रियो अभिनीत वन बैटल आफ्टर अनदर ने सबसे ज्यादा छह पुरस्कार अपने नाम किए। बाफ्टा अध्यक्ष प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन भी मुख्य अतिथि के तौर पर समारोह में शामिल हुए। भूत-पिशाच पर आधारित फिल्म सिनर्स और रहस्यमयी डरावनी फिल्म फ्रेंकेंस्टाइन ने तीन-तीन पुरस्कार जीते।

नासा ने हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से खोजी डार्क मैटर से बनी घोस्ट गैलेक्सी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका की अंतरिक्ष अन्वेषण, वैमानिकी अनुसंधान और नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सरकारी एजेंसी राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) यानी नासा के खगोलविदों ने हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से डार्क मैटर से बनी भूतिया आकाशगंगा (घोस्ट गैलेक्सी) का पता लगाया है। यह 99 प्रतिशत डार्क मैटर से बनी है। खगोलविदों का दावा है कि यह रहस्यमयी आकाशगंगा में से एक 'सीडीजी-2' है। नासा ने इस उपलब्धि का विवरण अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया है। इसमें कहा गया है कि हबल स्पेस टेलीस्कोप से ली गई इस तस्वीर में दिखाई गई कम सतह वाली गैलेक्सी सीडीजी-2 में डार्क मैटर ज्यादा है और इसमें तारों का बहुत कम बिखराव है। यह गैलेक्सी लगभग दिखाई नहीं देती, लेकिन एडवांस्ड स्टैटिस्टिकल टेक्नीक का इस्तेमाल करके वैज्ञानिकों ने तारों के छोटे समूह (ग्लोबुलर क्लस्टर) की खोज करके इसकी पहचान की। राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, यह पृथ्वी से करीब 300 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर पर्सियस गैलेक्सी क्लस्टर में स्थित यह बेहद धुंधली आकाशगंगा सामान्य तारों से नहीं, बल्कि चार सघन ग्लोब्युलर क्लस्टर्स के जरिए पहचानी गई। शुरुआती आकलन बताते हैं कि सीडीजी-2 की कुल द्रव्यमान का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा डार्क मैटर है। नासा के अनुसार ,आमतौर पर अधिकतर आकाशगंगा अरबों तारों की चमक से दूर-दूर तक दिखाई देती हैं, लेकिन कुछ विशेष आकाशगंगा इतनी फीकी होती हैं।

नाकाम मर्दों के अकेलेपन का इलाज है यह महिला ! 400 पुरुषों के साथ हमबिस्तर होकर सिखाए रोमांस के गुर

लंदन, एजेंसी। दुनिया में आपने कई तरह के थेरापिस्ट्स और डॉक्टरों के बारे में सुना होगा लेकिन काली मिलर का काम जरा हटकर और अनोखा है। काली खुद को एक रोमांस सरोगेट या सेक्स थेरापिस्ट कहती हैं। उनका काम सिर्फ शारीरिक नजदीकी तक सीमित नहीं है बल्कि वे उन पुरुषों की मदद करती हैं जो रिश्तों में नाकाम रहे हैं या जीवन में कभी किसी का साथ नहीं पा सके।

स्पोर्ट्स मसाज से रोमांस थेरापिस्ट बनने का सफर : काली मिलर पहले एक स्पोर्ट्स मसाज थेरापिस्ट थीं। उन्होंने साइकोसेक्शुएलिटी की पढ़ाई की और 30 साल की उम्र के बाद महसूस किया कि वे इंसानी भावनाओं और जुड़ाव को गहराई से समझना चाहती हैं। एक अखबार में खुले विचारों वाले बॉडी वर्कर का विज्ञापन देखने के बाद उन्होंने इस क्षेत्र में कदम रखा। हालांकि शुरुआत में वे हिचकिचा रही थीं लेकिन उनके पहले क्लाइंट ने उनका नजरिया बदल दिया।

एक बूढ़े शख्स की अधूरी इच्छा ने बदली जिंदगी : काली ने एक ब्रिटिश टीवी शो दिस मॉर्निंग में अपने करियर की सबसे भावुक कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि उनका पहला क्लाइंट 60 साल से अधिक उम्र का एक बेहद शर्मीला व्यक्ति था।

मौत से पहले हर मरीज बोलता है ये 9 शब्द... आईसीयू नर्स ने साझा किया चौंकाने वाला सच

न्यूयार्क, एजेंसी। अस्पताल के सन्नाटे और मशीनों की बीप-बीप के बीच एक ऐसी सरहद होती है, जहां डॉक्टरी पढ़ाई और महंगे टेस्ट्स सब धरे के धरे रह जाते हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा की एक युवा नर्स, किर्स्टी रॉबर्ट्स, ने मौत के इसी रहस्यमयी चेहरे को बहुत करीब से देखा है। पिछले 4 सालों से आईसीयू में तैनात किर्स्टी का कहना है कि जब कोई इंसान अपनी आखिरी सांसों की तरफ बढ़ता है, तो उसके भीतर एक ऐसा आध्यात्मिक बदलाव आता है जिसे दुनिया का कोई भी स्कैनर या वेंटिलेटर नहीं पकड़ सकता।

मरीज खुद अपनी मौत की सटीक भविष्यवाणी कर देता है : किर्स्टी ने सोशल मीडिया पर उन अनकहे सच से पर्दा उठाया है, जो अक्सर लोग अपने आखिरी पलों में साझा करते हैं। सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि कई बार मरीज के मेडिकल पैरामीटर्स बिल्कुल सामान्य दिख रहे होते हैं और डॉक्टर भी उसे खतरे से बाहर मान रहे होते हैं, लेकिन मरीज खुद अपनी मौत की सटीक भविष्यवाणी कर देता है। नर्स के मुताबिक, मरते हुए इंसान को अपनी विदाई का पूर्वाभास हो जाता है। वह अक्सर घबराहट में नहीं, बल्कि एक अजीब सी शांति या स्पष्टता के साथ कहता है– मुझे पता है कि मैं अब जाने वाला हूं। इसके बाद वे अपने परिवार के लिए प्यार भरा संदेश देते हैं और कुछ ही देर में उनकी रूह शरीर छोड़ देती है। किर्स्टी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में खुलासा किया कि मरीज अक्सर अपने परिवार से जुड़े शब्द कहते हैं। उन्होंने कहा, हर मरीज जो अपनी संसारिक यात्रा पुरी करके जाना वाला होता है, वही 9 शब्द कहता है ङ्क क्या आप मेरे परिवार से कह सकते हैं कि मैं उन्हें प्यार करता हूं?

मरीजों के अंतिम शब्द और आध्यात्मिक बदलाव : किर्स्टी ने बताया कि इसके अलावा मरीज कभी-कभी कहते हैं, मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा या मुझे पता है मैं मरने वाला हूं। यह सब सुनने के बाद भी उनके जीवन के संकेत सामान्य दिखते हैं और अन्य मेडिकल पैरामीटर ठीक रहते हैं। उन्होंने बताया कि अद्भुत बात यह है कि मरीज अपने अंत के बारे में किसी तरह की चेतावनी लेकर ही बोलते हैं। उनके शरीर में कोई भी ऐसा संकेत नहीं होता जो मौत के करीब होने का संकेत दे, फिर भी यह परिवर्तन होता है। यह आध्यात्मिक बदलाव है, जिसे वैज्ञानिक तौर पर समझाना मुश्किल है। किर्स्टी ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, इन अंतिम पलों को देखना आसान नहीं है। हम मरीजों और उनके परिवारों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाते हैं। समय के साथ आप स्वीकार करना सीख जाते हैं कि यह हमारे काम का हिस्सा है। जीवन आध्यात्मिक है और प्यार, कृतज्ञता और दूसरों के लिए अच्छा करने की भावना सबसे महत्वपूर्ण है।

सहकर्मियों का समर्थन : किर्स्टी के इस खुलासे को कई स्वास्थ्यकर्मी भी सही मानते हैं। एक पूर्व हॉस्पिस नर्स ने कहा, वे सही कहती हैं। मरीज हमेशा जानते हैं। वहीं, अन्य ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे चाचा ने भी अपने अंतिम समय में ऐसा ही महसूस किया।

मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर फंसे लोगों को मिलेगा टोल–रिफंड, 33 घंटे तक फंसी थीं 1 लाख से ज्यादा गाड़ियां

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर गैस टैंकर दुर्घटना के बाद 33 घंटे जाम में फंसे वाहन चालकों से वसूली गई टोल की राशि को वापस करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से जाम में फंसे लगभग एक लाख लोगों को लाभ मिलेगा। तीन फरवरी को एक्सप्रेस वे के खोपोली खंड पर एक गैस टैंकर के पलटने से लगभग 33 घंटे तक यातायात ठप रहा था। इस कारण कई किलोमीटर तक यातायात बाधित रहा। जाम के चलते कई वाहन चालकों और यात्रियों को पानी, भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ा था।

फास्टैग से कटे थे पैसे : दुर्घटना के बाद प्रशासन ने टोल वसूली को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया था। हालांकि, तब तक कई वाहन चालकों के फास्टैग खातों से टोल शुल्क पहले ही काटे जा चुके थे।

फास्टैग खातों में जमा होगी राशि : महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि टोल वसूली रोकने का आदेश जारी होने के बावजूद वाहन मालिकों से वसूल की गई पूरी राशि वापस करने का निर्णय लिया गया है। लगभग 5.16 करोड़ रुपये की यह वापसी राशि एमएसआरडीसी द्वारा भुगतान की जाएगी। यह राशि अगले कुछ दिनों में प्रभावित वाहन मालिकों के फास्टैग खातों में सीधे जमा कर दी जाएगी।

जेड श्रेणी की सुरक्षा के बावजूद टीएमसी विधायक की कार पर फेंका बम, तीन गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में दक्षिण 24 परगना के भांगड़ में शनिवार रात सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक शौकत मोल्ला की कार पर बम फेंका गया। तृणमूल विधायक ने आरोप लगाया कि इंडियन सेकुलर फ्रंट (आइएसएफ) कार्यकर्ताओं ने उन पर बम से हमला किया। शौकत मोल्ला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने घटनास्थल से दो बम बरामद किए हैं। इस घटना में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिले के कैनिंग ईस्ट से तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला ने बताया कि पार्टी नेता खैरुल इस्लाम और अन्य कार्यकर्ताओं की शनिवार शाम को पिटाई की गई थी। वह घटना की शिकायत दर्ज कराने पोलारहाट थाने गए थे। लौटते समय उनकी कार पर बम फेंका गया। बम उनके पीछे खड़ी कार पर लगा, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई। उनको कोई चोट नहीं आई। जेड श्रेणी की सुरक्षा के बावजूद इस तरह के हमले से विधायक हैरान हैं।

आईएसएफ विधायक पर लगा आरोप : उन्होंने इस हमले के लिए आईएसएफ द्वारा संरक्षित बदमाशों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भांगड़ के आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी ने यह हमला करवाया है। वहीं, नौशाद सिद्दीकी ने कहा है कि इस घटना से उनकी पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है।

नोएडा में सातवीं कक्षा की छात्रा ने जान दी, पड़ोसी पर ब्लैकमेलिंग का आरोप; भाई ने क्या बताया

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-63 थाना क्षेत्र की कॉलोनी में शनिवार रात 13 साल की नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटकी मिली। उसे अस्पताल जे जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नाबालिग के भाई ने गैर समुदाय के पड़ोसी युवक पर बहन को ब्लैकमेल करने और साथियों संग शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पुलिस की चार टीमें आरोपी को पकड़ने के लिए गठित कर दी गई हैं। आरोपियों पर कार्रवाई न होने से नाराज हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों और लोगों ने रविवार सुबह सेंट्रल जोन में एसीपी प्रथम के दफ्तर से कुछ दूर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान नारेबाजी भी की गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी और एसीपी मौके पर पहुंचे। आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद लोग वहां से हटे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महोबा का एक शख्स सेक्टर-63 थाना क्षेत्र में पत्नी, बेटी और बेटे के साथ लंबे समय से रह रहा है। उसकी बेटी थाना क्षेत्र में ही अपनी मौसी के यहां रहकर सातवीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थी। किशोरी के भाई का कहना है कि तीन दिन पहले उसके मां-पिता दोनों एक शादी समारोह में गांव चले गए। वह शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे डयूटी चला गया। बहन घर में अकेली थी। रात करीब आठ बजे उसने भाई को सब्जी लाने के लिए फोन किया। पौने दस बजे भाई घर पहुंचा तो दरवाजा खुला था। कमरे में जैसे ही वह दाखिल हुआ तो नाबालिग फंदे पर लटकी मिली।

शख्स के पास फोटो और वीडियो होने का आरोप : आरोप है कि युवक ने नाबालिग के फोटो-वीडियो मोबाइल में रखे हुए हैं। इन्हें दिखाकर वह उसे ब्लैकमेल कर दोस्तों संग संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। इससे किशोरी प्रताड़ित हो गई थी। भाई ने आरोपियों पर हत्या का आरोप लगाकर कड़ी सजा देने की मांग की है।

स्कूली छात्राओं को परेशान करने का आरोप : नाबालिग के भाई का कहना है कि गैर समुदाय के पड़ोसी युवक स्कूली छात्राओं से दोस्ती करते हैं। उन्हें परेशान करते हैं और जबरन शारीरिक संबंध बनाते हैं। इसका वीडियो भी आरोपी चुपके से बना लेते हैं। फिर आरोपी साथियों संग भी संबंध बनाने का दबाव बनाते हैं।

बलिया में पुलिस और बदमाश में मुठभेड़, 25 हजार का इनामी गो तस्कर गिरफ्तार

बलिया एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपए के इनामी गो तस्कर को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रविवार देर रात हुसैनाबाद मोड़ के पास चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह भागने लगा। पीछा करने पर उसकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। खुद को पुलिस से घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा।

तीन सरकारी कार्यालयों में कर्मचारी नदारद

बीईओ, बीआरसी समेत अन्य अफसर सुबह 11:30 बजे तक नहीं पहुंचे, एसडीएम ने दिए जांच के आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन जनपद क्षेत्र में सरकारी कार्यालयों में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे किए गए निरीक्षण में जनपद शिक्षा केंद्र, परियोजना कार्यालय और बीईओ कार्यालय सहित तीन प्रमुख दफ्तरों में अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस स्थिति से क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है जनपद शिक्षा केंद्र रामपुर नैकिन में कुल 10 कर्मचारी पदस्थ हैं, लेकिन निरीक्षण के दौरान केवल एक कर्मचारी दीपेंद्र शुक्ला (एमआईएस कोऑर्डिनेटर) उपस्थित मिले। बीआरसी श्री प्रकाश जायसवाल सहित बीएसी दिलीप सिंह, राजकुमार वर्मा, कमलाकर

सिंह, शिवदयाल शर्मा, संदीप नामदेव और बृजेश त्रिपाठी अनुपस्थित पाए गए चौकीदार बेबी सिंह और जय सिंह भी अपनी ड्यूटी पर मौजूद नहीं थे। परियोजना कार्यालय रामपुर नैकिन का हाल भी ऐसा ही था। यहां परियोजना अधिकारी शिवानंद शुक्ला सहित कई कर्मचारी पदस्थ हैं, परंतु निरीक्षण के समय केवल कंप्यूटर ऑपरेटर प्रतिभा सिंह मौजूद थीं। बताया गया कि वे भी सुबह लगभग 11:00 बजे कार्यालय पहुंची थीं जबकि अन्य कर्मचारी अनुपस्थित रहे बीईओ कार्यालय में कुल छह लोग पदस्थ हैं। ग्रामीण प्रतिभा पनिका ने आरोप लगाया कि बीईओ अवध शरण अक्सर 'फील्ड का बहाना' बनाकर अनुपस्थित रहते हैं। निरीक्षण के दौरान अन्य पांच कर्मचारी उपस्थित मिले, लेकिन प्रमुख अधिकारी की गैरमौजूदगी पर सवाल उठे। जानकारी मिलने पर चुरहट एसडीएम शैलेश द्विवेदी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी-कर्मचारी इस प्रकार की लापरवाही करते हैं, तो यह 'काफी शर्मनाक' है। एसडीएम ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। आश्वासन दिया है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

हाथियों के दल से डेढ़-घंटे जाम, वन विभाग ने रोका ट्रैफिक; 300 से अधिक वाहन फंसे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। हाथियों के सड़क पार करने के दौरान एहतियातन प्रशासन और वन विभाग ने लगभग डेढ़ घंटे तक यातायात रोक दिया। इससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और अनुमानित 300 से अधिक गाड़ियां जाम में फंस गईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हाथी सड़क पार कर सीधी की दिशा में आगे बढ़ रहे थे। वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए NH-39 के दोनों ओर लगभग 2-2 किलोमीटर तक बैरिकेडिंग कर दी। वाहनों को रोककर लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की गई।

वन विभाग बोले-हाथी के कारण विशेष सावधानी बरती: वन विभाग चुरहट रेंज के रेंजर नवीन सिंह ने जानकारी दी कि जंगली और विशालकाय जानवर होने के कारण विशेष सावधानी बरती गई। उन्होंने कहा, 'हम लगातार प्रयास कर रहे हैं कि आमजन को न्यूनतम असुविधा हो, लेकिन सुरक्षा सर्वोपरि है। हाथियों का दल सुरक्षित रूप से सड़क पार कर दूसरे छोर की ओर बढ़ गया है, अब मार्ग पूरी तरह खोल दिया गया है। जाम खुलने के बाद यातायात सामान्य हो गया। अधिकारियों ने चालकों को सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की सलाह दी। स्थानीय समाजसेवी प्रभात वर्मा ने बताया कि वन विभाग की टीम और स्वयंसेवकों ने भीड़ को नियंत्रित करने में सहयोग किया।

बदला मौसम, ओलावृष्टि और तेज बारिश; सराय में ओले गिरे, बैढ़न में धूल भरी आंधी फसल को नुकसान की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सुबह से जहां तेज धूप और उमस बनी हुई थी, वहीं दोपहर बाद काले बादलों की आवाजाही के साथ कई इलाकों में तेज आंधी और ओलावृष्टि हुई। जिले के सराय क्षेत्र अंतर्गत जोबा, मझौली, पाठ सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों में भारी ओलावृष्टि दर्ज की गई है। ओलावृष्टि इतनी तीव्र थी कि कई स्थानों पर जमीन पर ओलों की मोटी परत जम गई। ग्रामीणों की ओर से बनाए गए वीडियो में ओलावृष्टि की भयावहता साफ तौर पर देखी जा सकती है। अचानक बदले मौसम से ग्रामीण इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ते नजर आए। वहीं, जिला मुख्यालय बैढ़न इलाके में दोपहर करीब 3 बजे के बाद धूल भरी तेज आंधी शुरू हो गई। तेज हवाओं के

कारण सड़कों पर धूल का गुबार छा गया, जिससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई। कुछ देर के लिए आवागमन भी प्रभावित हुआ और लोग घरों व दुकानों में रुकने को मजबूर हुए। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी सिस्टम के सक्रिय होने से सिंगरौली सहित पूर्वी मध्यप्रदेश के कई जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की स्थिति बनी। विभाग ने सोमवार को इस तरह के मौसम को लेकर पहले ही अलर्ट जारी किया था। अचानक हुई ओलावृष्टि से किसानों की चिंता बढ़ गई है। रबी सीजन की तैयार खड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। प्रशासनिक स्तर पर फिलहाल नुकसान का आकलन नहीं हुआ है, लेकिन राजस्व अमला प्रभावित इलाकों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

18 माह की बच्ची का नेवारी गांव के खेत में शव, पुलिस डॉग स्क्वॉड के साथ जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के गढ़वा थाना क्षेत्र के नेवारी गांव में 18 महीने की एक बच्ची का शव गेहूं के खेत में मिला है। बच्ची का शव उसके घर से लगभग एक किलोमीटर दूर पाया गया। इस घटना की सूचना मिलते ही गांव में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए घटना की जानकारी मिलते ही गढ़वा थाना पुलिस डॉग स्क्वॉड के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मौके की बारीकी से जांच की और बच्ची के शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृत बच्ची की पहचान प्रियांशु पनिका के रूप में हुई है, जो संतोष पनिका की पुत्री थी। राहुल सैयाम ने इस संबंध में जानकारी दी। प्रियांशु रविवार सुबह करीब 8 बजे घर के बाहर खेलते हुए अचानक लापता हो गई थी परिजनों ने काफी तलाश के बाद भी जब बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला, तो गढ़वा थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजन और ग्रामीण अपने स्तर पर बच्ची की तलाश कर रहे थे इसी बीच, सुबह उन्हें सूचना मिली कि गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर गेहूं के खेत में बच्ची का शव पड़ा है इस सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

बेटे को जमानत नहीं मिलने पर टावर चढ़ी मां, हाईटेंशन टावर पर हंगामा; 8 घंटे बाद नीचे उतरी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में एक मां अपने बेटे के जेल में बंद होने से व्यथित होकर हाईटेंशन टावर पर चढ़ गई। यह घटना सरई थाना क्षेत्र के चुनैईया नदी के पास हुई। महिला की पहचान इटमा निवासी 50 वर्षीय बबली साकेत के रूप में हुई है। वह सुबह से टॉवर पर चढ़कर बैठ गई थी, जिसे शाम पांच बजे के बाद उतारा गया। बताया गया है कि महिला का बेटा तीन महीने पहले हत्या के एक मामले में गिरफ्तार होकर जिला जेल पचौर में बंद है। इसी कारण महिला ने यह कदम उठाया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी घटनास्थल पर जमा हो गए। पुलिस और महिला के परिजन उसे सुरक्षित नीचे उतारने के लिए लगातार समझाने का

प्रयास कर रहे हैं। प्रशासन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सतर्कता बरत रहा है 8 घंटा से ज्यादा समय बाद उतरी महिला सुबह से हाईटेंशन के खंभे पर चढ़ी महिला को स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन नीचे उतार लिया है। स्थानीय नगर परिषद के पार्षद प्रेम सिंह भाटी से बात करने के बाद हाई टेंशन बिजली के तार से नीचे उतरी। प्रेम सिंह भाटी ने महिला को दिया अश्वासन हर प्रकार की मदद की जाएगी उन्होंने कहा कि 26 तारीख को उनकी बेटे की कोर्ट में पेशी है, उसे दिन मैं खुद चलूंगा और आपके बेटे की जमानत करवाऊंगा। महिला इस चीज पर राजी हुई इसके बाद वह नीचे उतर आई। महिला के पास में मोबाइल फोन नहीं था। उससे बात करने के लिए एक निजी कंपनी की हाइड्रोलिक मशीन मंगवाई गई और उसके माध्यम से महिला तक मोबाइल पहुंचया गया। बात करने के बाद वह खुद से 30 फीट ऊंचे टावर में नीचे आई।

रेत से लदे ट्रैक्टर का स्टंटबाजी, कुनुक नदी के पास अवैध उत्खनन का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर क्षेत्र में कुनुक नदी के बीच रेत से लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली से स्टंट करते हुए वीडियो सामने आया है। नदी के बीच रेत से भरे ट्रैक्टर का अगला हिस्सा हवा में उठाकर स्टंट किया जा रहा है। ट्रैक्टर पर चालक के अलावा कुछ अन्य युवक भी इंजन पर बैठे हैं। बताया जा रहा है कि माफिया यहां से रेत का अवैध उत्खनन करते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, अरुण कुमार साहू नामक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया आईडी से शाम पोस्ट किया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी से रेत निकालकर स्टंटबाजी करना दर्शाता है कि रेत माफिया को प्रशासन का भय नहीं है बताया जा रहा है कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ पहले भी अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के मामलों में कार्रवाई हो चुकी है। पिछले वर्ष भी इसी नदी से मजदूरों द्वारा ट्रैक्टर में रेत लोड करने का एक वीडियो सामने आया था, जिसके बाद खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो अवैध उत्खनन और ऐसी गतिविधियां बढ़ सकती हैं जैतपुर थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि उन्होंने वीडियो नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि जांच में अवैध गतिविधि या स्टंटबाजी की पुष्टि होती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने यह भी स्वीकार किया कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ पहले भी प्रकरण दर्ज हैं।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीधी में इको क्लब के तहत विविध कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इको क्लब के तत्वावधान में विविध पर्यावरणीय कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में तथा मध्य प्रदेश पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन की मंशानुरूप संपन्न हुआ कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध लेखन, क्विज प्रतियोगिता, पौधारोपण एवं वाटिका स्वच्छता जैसे आयोजन किए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. के.एस. नेताम, डॉ. आई.पी. प्रजापति, इको क्लब प्रभारी डॉ.

दिवाकर सिंह, डॉ. दिलीप सोनी, डॉ. राकेश सिंह चौहान, प्रोफेसर सरला सिंह, डॉ. गौरव यादव, डॉ. के.एल. प्रजापति, डॉ. राज लाल पटेल, डॉ. विभा कुशवाहा, डॉ. उमाकांत साहू, डॉ. आकांक्षा मिश्रा, डॉ. सुरेन्द्र मिश्रा एवं डॉ. रामानुज पटेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रियंका द्विवेदी (बीएससी प्रथम वर्ष) एवं खेलेश्वर साकेत (बी.ए. चतुर्थ वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान स्नेहल सिंह चौहान (बी.ए. चतुर्थ वर्ष) एवं दुर्गेश द्विवेदी (बीएससी प्रथम वर्ष) को प्राप्त हुआ, जबकि तृतीय स्थान शालिनी मंसूरी (बीएससी प्रथम वर्ष) एवं हर्ष द्विवेदी (बीएससी प्रथम वर्ष) ने हासिल किया। विजेता प्रतिभागियों को प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम के समापन अवसर पर इको क्लब प्रभारी डॉ. दिवाकर सिंह ने सभी उपस्थितजनों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और प्रेरणा का संचार हुआ।

अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण के विरुद्ध नागरिकों का आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा कांग्रेस जिला रीवा के वरिष्ठ महासचिव शुभम प्रसाद कुशवाहा के नेतृत्व में वार्ड क्रमांक 26ए, रामनगर लालपा गली नं. 06, हुजूर क्षेत्र में सार्वजनिक मार्ग पर किए जा रहे कथित अवैध कब्जे एवं अतिक्रमण के विरोध में स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन को लिखित शिकायत सौंपकर शीघ्र जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों द्वारा नगर निगम रीवा के आयुक्त को दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि संबंधित क्षेत्र में सार्वजनिक रास्ते पर हदबंदी कर निर्माण कार्य किया जा रहा है, जबकि उक्त मार्ग सड़क एवं नाली निकासी के लिए निर्धारित है। यह मार्ग बड़ी संख्या में लोगों के दैनिक आवागमन का प्रमुख साधन है, जिससे आमजन को भविष्य में गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि संजय पाण्डेय एवं अतुल पाण्डेय द्वारा अपने मकान की चौड़ाई रजिस्ट्री रिकॉर्ड में दर्ज 50 फीट के स्थान पर लगभग 55 फीट तक निर्माण किया जा रहा है, जिससे लगभग 5 फीट अतिरिक्त भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। नागरिकों का कहना है कि यह निर्माण शासकीय मार्ग पर अतिक्रमण की श्रेणी में आता है तथा नगर निगम के नियमों एवं भवन निर्माण मापदंडों का उल्लंघन है इसके अतिरिक्त क्षेत्र में बिना पंजीकरण एवं आवश्यक लाइसेंस के डेयरी फार्म खोलने की तैयारी का भी आरोप लगाया गया है। नागरिकों ने आशंका जताई है कि इससे स्वच्छता, यातायात एवं जनस्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय में 26 फरवरी को 'विकसित भारत युवा संसद 2026' का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 26 फरवरी 2026 को 'विकसित भारत युवा संसद 2026' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम खेल एवं युवा मामले मंत्रालय के निर्देशानुसार माय भारत पोर्टल के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना तथा उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक बनाना है। प्रतियोगिता में चयनित प्रथम 10 प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा संसद में सहभागिता का अवसर प्राप्त होगा। प्रतियोगिता में वही प्रतिभागी भाग ले सकेंगे, जिन्होंने माय भारत पोर्टल के माध्यम से पूर्व में पंजीयन कराया हो तथा जिनकी आयु 18 से 25 वर्ष के मध्य हो। प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विचार व्यक्त करने के लिए 3 मिनट का समय प्रदान किया जाएगा प्रस्तुत व्याख्यान का मूल्यांकन जूरी द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर किया जाएगा महाविद्यालय प्रशासन ने जिले के पात्र युवाओं से निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की है।

कलेक्ट्रेट सभागार में जनगणना 2027 पर विशेष प्रशिक्षण आयोजित

मकान सूचीकरण से होगी शुरुआत, पहली बार मोबाइल ऐप से होगा डेटा संकलन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आगामी जनगणना 2027 पूर्व की भांति इस बार भी दो चरणों में संपादित की जाएगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा, जिसमें प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकानों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों का विवरण संकलित किया जाएगा। जिला सीधी में जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों एवं तकनीकी परिचय के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण 23 फरवरी 2026 से प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभागार सीधी में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है, जो 24 फरवरी 2026 तक चलेगा

प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर बी.पी. पांडे, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर विकास आनंद, उपखंड अधिकारी प्रिया पाठक सहित समस्त तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण जनगणना कार्य निदेशालय से आए पदाधिकारी नागेश पाठक एवं सुमित मौर्या द्वारा प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन एवं डेमो के माध्यम से जनगणना 2027 की रूपरेखा, प्रारंभिक तैयारियां, रोडमैप एवं संगठनात्मक ढांचे की विस्तृत जानकारी दी गई प्रशिक्षकों ने बताया कि जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें मोबाइल एप के माध्यम से डेटा संकलन किया जाएगा। साथ ही पूरे कार्य की निगरानी एवं समीक्षा जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली के वेब पोर्टल के जरिए की जाएगी प्रथम चरण के अंतर्गत मध्यप्रदेश में 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य संपन्न किया जाएगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में पूरे देश में कराई जाएगी इस जनगणना में पहली बार नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प प्रदान किया गया है। इसके अंतर्गत 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिक ऑनलाइन पोर्टल एवं मोबाइल एप के माध्यम से प्रश्नावली भरकर अपनी जनगणना स्वयं कर सकेंगे प्रशिक्षण के दौरान जनगणना-2027 की प्रक्रिया, समय-सीमा एवं कार्ययोजना पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कचरे का बोझ

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है। निस्संदेह, देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है। दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुर्माना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों तथा नागरिक कल्याण संगठनों के बीच बेहतर तालमेल भी इस दिशा में कारगर भूमिका निभा सकता है। आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास के साथ होने वाली उपभोग की वृद्धि और परिणामस्वरूप अपशिष्ट उत्पादन में वृद्धि होना स्वाभाविक ही है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा एक लाख करोड़ रुपये के निवेश से शहरी अवसंरचना में सुधार के लिये की गई पहल, सही दिशा में एक कदम है। हालांकि, यह एक हकीकत है कि नीति-निर्माताओं द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता दिए बिना भारत के शहर बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने के लिये संघर्ष करते रहेंगे।

शाहपुर कंडी बांध से बदलेगा सीमावर्ती जल समीकरण रावी के जल पर भारत का हक, आतंकवाद पर पाकिस्तान को कड़ा संदेश

कांतिलाल मांडोत

भारत ने इस संधि का हमेशा सम्मान किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान ने बार-बार आतंकवाद को बढ़ावा देकर विश्वास की नींव को कमजोर किया। ऐसे में जब भारत अपने हिस्से के जल का समुचित उपयोग सुनिश्चित कर रहा है, तो इसमें किसी भी प्रकार की आपत्ति का कोई औचित्य नहीं बनता। शाहपुर कंडी परियोजना की आधारशिला 1970 के दशक में रखी गई थी और 1980 के दशक में इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई। उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस परियोजना की महत्वाकांक्षी परिकल्पना को आगे बढ़ाया था। किन्तु पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बीच जल बंटवारे और प्रशासनिक विवादों के कारण यह परियोजना 44 वर्षों तक अटकी रही। अंततः 2018 में दोनों राज्यों के बीच समझौता हुआ और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद निर्माण कार्य ने गति पकड़ी। लगभग 3,394 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही यह परियोजना अब अपने अंतिम चरण में है। इस बांध के पूर्ण होने से रावी नदी का वह अतिरिक्त जल, जो अब तक पाकिस्तान की ओर बह जाता था, उसे भारत अपने कृषि और सिंचाई कार्यों में उपयोग कर सकेगा। पंजाब और जम्मू-कश्मीर के हजारों किसानों को इससे सीधा लाभ मिलेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में खेती की स्थिति मजबूत होगी, फसल उत्पादन बढ़ेगा और जल प्रबंधन अधिक प्रभावी बनेगा। यह केवल एक बांध नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है। विशेषज्ञों का मत है कि यह परियोजना रावी के पूरे प्रवाह को नहीं रोकेगी, बल्कि उस अतिरिक्त जल को नियंत्रित करेगी जो भारत के हिस्से का होते हुए भी उपयोग में नहीं आ पाता था। इस प्रकार यह कदम अंतरराष्ट्रीय संधि के दायरे में रहते हुए भारत के अधिकारों का संरक्षण करता है। पाकिस्तान द्वारा इस पर आपत्ति जताना केवल राजनीतिक बयानबाजी प्रतीत होता है, क्योंकि यह परियोजना पूरी तरह भारत के हिस्से के जल से संबंधित है। भारत ने सदैव शांति और विकास की राह को चुना है, जबकि पाकिस्तान ने कई बार आतंकवाद को अपनी नीति का औजार बनाया है।

सीमापार आतंकवादी गतिविधियों, घुसपैठ और भारत के भीतर अस्थिरता फैलाने की कोशिशों ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार प्रभावित किया है। ऐसे में जब भारत अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित कर रहा है, तो यह केवल विकास का निर्णय नहीं, बल्कि एक सशक्त संदेश भी है कि आतंकवाद और उकसावे की नीति अब भारत को रोक नहीं सकती। रावी का जल अब सीमाओं के पार यूं ही बहकर नहीं जाएगा, बल्कि भारतीय खेतों को सींचेगा। यह निर्णय आत्मनिर्भर भारत की उस परिकल्पना से भी जुड़ा है, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम और न्यायसंगत उपयोग सुनिश्चित किया जाता है। जल जैसे अमूल्य संसाधन का संरक्षण और प्रबंधन आज की सबसे बड़ी जरूरत है। शाहपुर कंडी बांध इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने दशकों तक सिंधु जल संधि का पालन करते हुए पाकिस्तान को उसके हिस्से का जल उपलब्ध कराया, भले ही पाकिस्तान की धरती से पनपने वाले आतंकी संगठनों ने भारत के खिलाफ हिंसा फैलाई। इसके बावजूद भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संयम और जिम्मेदारी का परिचय दिया। परंतु अब समय बदल चुका है। भारत अपनी सुरक्षा और हितों के प्रति पहले से अधिक सजग और दृढ़ है। शाहपुर कंडी परियोजना का पूरा होना केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान से जुड़ा विषय है। यह दर्शाता है कि लंबित परियोजनाओं को राजनीतिक इच्छाशक्ति और समन्वय से पूरा किया जा सकता है। इससे सीमावर्ती इलाकों में विकास को नई गति मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। आज जब भारत वैश्विक मंच पर एक उभरती शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है, तब ऐसे निर्णय उसकी आंतरिक मजबूती को और सुदृढ़ करते हैं।

जल प्रबंधन, कृषि विकास और सीमा सुरक्षा इन तीनों क्षेत्रों में यह परियोजना सकारात्मक प्रभाव डालेगी। पाकिस्तान के लिए यह एक स्पष्ट संकेत है कि भारत अब अपने हिस्से के संसाधनों का पूर्ण उपयोग करेगा और आतंकवाद को किसी भी रूप में सहन नहीं करेगा।

"भारत ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह अपने संसाधनों की रक्षा और उपयोग के मामले में अब किसी प्रकार की ढिलाई बरतने वाला नहीं है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर बन रहा शाहपुर कंडी बांध अब पूर्णता की ओर है और इसके साथ ही रावी नदी के अतिरिक्त जल के प्रबंधन में एक ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिलेगा। दशकों से लंबित यह परियोजना न केवल किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी, बल्कि यह भारत की संप्रभुता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी प्रतीक बनकर उभरेगी। 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सिंधु जल संधि के तहत रावी, व्यास और सतलुज जैसी पूर्वी नदियों का जल भारत को तथा सिंधु, झेलम और चिनाब जैसी पश्चिमी नदियों का जल पाकिस्तान को दिया गया था। यह समझौता उस समय की परिस्थितियों में शांति और सहयोग की भावना से किया गया था।"

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के हालिया आंकड़े सड़क सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और विधि शासन के लिए गंभीर चुनौती है

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत आज 142.6 करोड़ से अधिक आबादी वाला विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है।इतनी विशाल जनसंख्या,विविध सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ ,तीव्र शहरीकरण और तेजी से बढ़ते मोटर वाहनों के बीच कानून-व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करना किसी भी सरकार के लिए असाधारण चुनौती है।भारत में हजारों केंद्रीय और राज्य कानून लागू हैं और अधिकांश क्षेत्रों में उनका पालन संतोषजनक रूप से होता भी है। किंतु सड़क परिवहन और ट्रैफिक कानूनों का क्रियान्वयन एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ व्यवस्था और वास्तविकता के बीच गंभीर अंतर दिखाई देता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि जनता पर लागू प्रमुख सड़क परिवहन कानून और नियमः(1)मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019:यह कानून सड़क सुरक्षा बढ़ाने और नियमों के उल्लंघन (जैसे- बिना हेलमेट /सीटबेल्ट,शराब पीकर गाड़ी चलाना) पर भारी जुर्माने के लिए लागू है।(2)केंद्रीय मोटर वाहन नियम,1989:यह वाहन के तकनीकी मानकों (जैसे- प्रदूषण, लाइट,सुरक्षा उपकरण) को निर्धारित करता है।(3) राष्ट्रीय राजमार्ग नियंत्रण (भूमि और यातायात) अधिनियम, 2002ः यह राजमार्गों पर अतिक्रमण हटाने और यातायात के सुचारू संचालन को नियंत्रित करता है।(4)सड़क मार्ग द्वारा वहन अधिनियम, 2007:यह माल परिवहन करने वाले वाहकों के नियमों और दायित्वों से संबंधित है।(5)परिवहन परमिट (धारा 66-70)ः व्यावसायिक वाहनों के लिए वैध परमिट अनिवार्य है।इन अधिनियमों का सख्ती से क्रियान्वयन नहीं करना यह केवल प्रशासनिक शिथिलता का प्रश्न नहीं है,बल्कि सामाजिक मानसिकता, तकनीकी ढांचे, राजनीतिक इच्छाशक्ति और नैतिक अनुशासन का भी मुद्दा है।भारत में सड़क सुरक्षा का मूल कानूनी ढांचा मोटर व्हीकलस एक्ट पर आधारित है,जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, इन अधिनियमों का उद्देश्य वाहन पंजीकरण,ड्राइविंग लाइसेंस बीमा,फिटनेस, प्रदूषण नियंत्रण और सड़क सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करना है। 2019 में इस कानून में व्यापक संशोधन किए गए,जुर्मानों को बढ़ाया गया,डिजिटल प्रवर्तन को प्रोत्साहित किया गया और राज्यों को अधिक दायित्व सौंपे गए।इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के हालिया आंकड़ों के अनुसार देश में पंजीकृत लगभग 40.7 करोड़ वाहनों में से 70 प्रतिशत से अधिक वाहन किसी न किसी वैधानिक आवश्यकता का पालन नहीं कर रहे हैं। इनमें प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र,वैध बीमा,फिटनेस सर्टिफिकेट और समय पर पंजीकरणनवीनीकरण जैसी अनिवार्य शर्तें शामिल हैं। केवल लगभग 8 करोड़ वाहन ही पूर्णतः अनुपालन की श्रेणी में आते हैं,जबकि 30 करोड़ से अधिक वाहन अधूरे दस्तावेजों के साथ सड़कों पर चल रहे हैं।इसके अतिरिक्त 2 करोड़ से अधिक वाहन ऐसे हैं जिनका पंजीकरण पहले ही निरस्त किया जा चुका है,किंतु वे डेटाबेस में दर्ज हैं।यह स्थिति केवल प्रशासनिक आंकड़ों कीसमस्या नहीं है;यह सड़क सुरक्षा,पर्यावरण संरक्षण और विधि शासन के लिए गंभीर चुनौती है।भारत में सबसे बड़ी चिंता दोपहिया वाहनों को लेकर है। गैर- अनुपालन वाले वाहनों में लगभग 23.5 करोड़ दोपहिया वाहन शामिल हैं।हेलमेट का उपयोग न करना,तीन-तीन लोगों का बैठना,नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना,बीमा या फिटनेस न होना,ये दृश्य देश के हर छोटे-बड़े शहर में सामान्य हो चुके हैं। महाराष्ट्र के छोटे शहर गोंदिया से लेकर महानगरों तक ट्रैफिक अनुशासन की कमी स्पष्ट दिखाई देती है।सिग्नल तोड़ना,गलत दिशा में वाहन चलाना मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग करना, सोशल मीडिया रील्स बनाने के लिए स्टंट करना,ये सब अब केवल अपवाद नहीं रहे,बल्कि एक व्यापक सामाजिक प्रवृत्ति बनते जा रहे हैं।द्वारका की घटना में मृतक की मां द्वारा कही गई बात,कि यह केवल दुर्घटना नहीं बल्कि मानसिकता का प्रश्न है,भारत की सड़क सुरक्षा बहस का केंद्रीय बिंदु है। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने की होड़,तेज रफ्तार को स्टेटस सिंबल मानना,और कानून को चुनौती देने की प्रवृत्ति एक नई पीढ़ी के भीतर उभरती दिखाई देती है।डिजिटलप्लेटफॉर्म पर खतरनाक स्टंट्स के वायरल होने से युवाओं में जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ती है। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए केवल दंड पर्याप्त नहीं; शिक्षा, जागरूकता और डिजिटल प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी भी आवश्यक है। साथियों बात अगर हम हाल की घटनाओं ने इस संकट को और भी स्पष्ट कर दिया है इसको समझने की करें तो फरवरी 2026 में दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में एक 17 वर्षीय नाबालिग द्वारा तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से बाइक सवार युवक को टक्कर मारने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया।

यह घटना उस समय हुई जब आरोपी कथित रूप से सोशल मीडिया के लिए रील बनाने के उद्देश्य से वाहन चला रहा था। मृतक युवक की मां का सार्वजनिक बयान इस घटना को महज दुर्घटना नहीं, बल्कि आपराधिक मानसिकता का परिणाम बताता है।उनका दर्द केवल व्यक्तिगत शोक नहीं था;वह एक ऐसी व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह था जहाँ कुछ लोग स्वयं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं।इस घटना में आरोपी नाबालिग को किशोर न्याय प्रणाली के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया। भारत में नाबालिगों से संबंधित मामलों का निपटान जुवेंइल जस्टिस (केयर एंड प्रोटेक्शन ऑफ़ चिल्ड्रन) एक्ट के तहत किया जाता है। इस कानून का उद्देश्य बच्चों के पुनर्वास और सुधार पर बल देना है, न कि दंडात्मक प्रतिशोध पर। किंतु जब अपराध की प्रकृति गंभीर हो, विशेषकर तब जब उसमें जान का नुकसान हुआ हो, तो समाज में न्याय और दया के बीच संतुलन को लेकर व्यापक बहस शुरू हो जाती है।द्वारका प्रकरण में आरोपी को बोर्ड परीक्षा के आधार पर अंतरिम जमानत दी गई,जिससे पीड़ित परिवार और आम जनता में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलीं।इससे पहले पुणे में हुई चर्चित पोर्श दुर्घटना ने भी देश को झकझोरा था। वहाँ भी एक नाबालिग द्वारा तेज रफ्तार वाहन चलाने से गंभीर दुर्घटना हुई थी और आरोपों में साक्ष्य मिटाने की बात सामने आई थी। ऐसे मामलों में प्रश्न केवल व्यक्तिगत अपराध का नहीं, बल्कि अभिभावकीय जिम्मेदारी सामाजिक प्रतिष्ठा, धनबल और प्रभाव के दुरुपयोग का भी है। जब परिवार अपने नाबालिग बच्चों को उच्च क्षमता वाले वाहन चलाने की अनुमति देते हैं, तो यह केवल कानूनी उल्लंघन नहीं बल्कि नैतिक विफलता भी है। साथियों बात अगर हम भारत में प्रतिवर्ष लाखों सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं इसको समझने की करेंतो,इसमें हजारों लोग अपनी जान गंवाते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें बताती हैं कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सड़क दुर्घटनाएँ मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं। भारत, जिसकी सड़क नेटवर्क लंबाई विश्व में सबसे अधिक में से एक है, सड़क सुरक्षा के मामले में अभी भी विकसित देशों से काफी पीछे है।

विकसित देशों में सख्त प्रवर्तन,स्वचालित कैमरा प्रणाली, उच्च दंड और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया के कारण अनुपालन दर अधिक है।भारत सरकार द्वारा हाल ही में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक में वाहन डेटाबेस को साफ करने और चरणबद्ध तरीके से गैर-अनुपालन वाहनों को स्वतः डी-रजिस्टर करने का प्रस्ताव इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। यदि तय समयसीमा के भीतर बीमा,फिटनेस और प्रदूषण प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किए जाते,तो ऐसे वाहनों को स्वतः निष्क्रिय करने की व्यवस्था लागू की जा सकती है। यह कदम केवल तकनीकी सुधार नहीं होगा;यह प्रशासनिकइच्छाशक्ति की परीक्षा भी होगा। सड़क सुरक्षा का प्रश्न केवल कानून या पुलिस तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक संस्कृति का प्रश्न भी है। भारत में कई लोग ट्रैफिक जुर्माने को मामूली खर्च या समझौते का अवसर मान लेते हैं। कुछ स्थानों पर ट्रैफिक विभाग को मलाईदार विभाग कहे जाने का कारण भी यही धारणा है कि प्रवर्तन पारदर्शी और निष्पक्ष नहीं है। जब कानून का पालन कराने वाला तंत्र ही विश्वास खो देता है, तो नागरिक अनुशासन भी कमजोर पड़ जाता है। साथियों बात कर हम पर्यावरणीय दृष्टि से इस पूरे मुद्दे को समझने की करें तो भी 30 करोड़ से अधिक गैर- अनुपालन वाले वाहनों की उपस्थिति गंभीर चिंता का विषय है। बिना वैध पीयूसी प्रमाणपत्र के वाहन वायु प्रदूषण बढ़ाते हैं,जो पहले से ही कई भारतीय शहरों में खतरनाक स्तर पर है। प्रदूषण और सड़क सुरक्षा दोनों ही सतत विकास लक्ष्यों से जुड़े मुद्दे हैं।यदि भारत को 21वीं सदी में एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में उभरना है,तो सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय अनुपालन को प्राथमिकता देनी ही होगी।यह भी ध्यान देने योग्य है कि कानूनों की संख्या पर्याप्त है; समस्या क्रियान्वयन की है। पुलिस बल की कमी,न्यायिक लंबित मामले, तकनीकी संसाधनों की असमान उपलब्धता और राजनीतिक हस्तक्षेप–ये सभी प्रवर्तन को प्रभावित करते हैं। यदि किसी राज्य में ट्रैफिक उल्लंघन के मामलों का शीघ्र निपटान नहीं होता, तो दंड का निवारक प्रभाव कम हो जाता है। साथियों बात अगर हम समाधान के रूप में कुछ ठोस सुझावों को समझने की करें तो, पहला, नाबालिग द्वारा वाहन चलाने पर अभिभावकों के लिए कठोर दंड का अनिवार्य प्रावधान और उसका वास्तविक क्रियान्वयन। दूसरा, सभी वाहनों के लिए डिजिटल अनुपालन ट्रैकिंग और गैर-अनुपालन पर स्वचालित जुर्माना। तीसरा, स्कूल स्तर से सड़क सुरक्षा शिक्षा कोअनिवार्य पाठ्यक्रम में शामिल करना। चौथा,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ समन्वय कर खतरनाक स्टंट्स के प्रचार पर रोक। पाँचवाँ ट्रैफिक पुलिस की जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र निगरानी तंत्र।भारत का लोकतंत्र विशाल और जीवंत है। परंतु लोकतंत्र केवल मतदान का अधिकार नहीं; यह कानून के समक्ष समानता और नागरिक जिम्मेदारी का भी नाम है। जब सड़क पर कोई व्यक्ति नियम तोड़ता है, तो वह केवल व्यक्तिगत जोखिम नहीं लेता; वह दूसरों के जीवन को भी खतरे में डालता है। द्वारका की घटना में एक मां का आक्रोश हमें याद दिलाता है कि हर दुर्घटना के पीछे एक परिवार का बिखरना छिपा होता है।यदि 70 प्रतिशत वाहन नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं बल्कि सामूहिक चेतना का संकट है। भारत को आर्थिक महाशक्ति बनने की आकांक्षा के साथ-साथ सामाजिकअनुशासन और विधि-पालन की संस्कृति भी विकसित करनी होगी। सड़क सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित कर केंद्र और राज्यों को समन्वित, तकनीक-समर्थित और पारदर्शी ढांचा अपनाना चाहिए। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तरपर इसको समझने की करें तो अनुभव बताते हैं कि सड़क सुरक्षा सुधार के लिए बहु-स्तरीय रणनीति आवश्यक होती है–कानून का कठोर प्रवर्तन, तकनीकी निगरानी, सड़क अवसंरचना में सुधार, वाहन सुरक्षा मानकों का उन्नयन और नागरिक शिक्षा। भारत में भी ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन, ई-चालान प्रणाली, और एकीकृत वाहन डेटाबेस जैसी पहलों से सुधार संभव है। परंतु जब तक स्थानीय स्तर पर निरंतर निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आंकड़ों में सुधार सीमित रहेगा।

हर पुत्र का धर्म है कि अपने माता-पिता की सेवा करे

भारतीय संस्कृति और धर्म में माता-पिता की सेवा करना एक बहुत ही महत्वपूर्ण कर्तव्य माना जाता है। पुत्रों को विशेष रूप से अपने माता-पिता की सेवा करने का अधिक दायित्व सौंपा गया है। शास्त्रों में माता-पिता की सेवा के महत्व को कई कारणों से बताया गया है : * ऋणानुबंध : माता-पिता अपने बच्चों को जन्म देते हैं, उनका पालन-पोषण करते हैं और उन्हें शिक्षित करते हैं। इस तरह, बच्चे अपने माता-पिता के ऋणी होते हैं और उन्हें इस ऋण को चुकाने के लिए उनकी सेवा करनी चाहिए। * धार्मिक कर्तव्य : धर्म ग्रंथों में माता-पिता की सेवा को एक पवित्र कर्तव्य बताया गया है।

संजय गोस्वामी

ऐसा करने से पुण्य मिलता है और म माता पिता को भगवान का रूप क्यों माना जाता है? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार क्या नियत उम्र के बाद पुत्री का विवाह नहीं करने पर माता-पिता पाप के भागीदार होते हैं? क्या मां-बाप के चरणों में भगवान है? माता-पिता को भगवान क्यों माना जाता है? माता-पिता को भगवान का दर्जा क्यो दिया जाता है? हां, हर पुत्र का धर्म है कि अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिएः माता-पिता की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनकी आज्ञा मानना और उनके बताए रास्ते पर चलना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनके आशीर्वाद को पाना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनके प्रति सम्मान रखना और उनकी इच्छाओं का सम्मान करना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनकी हर स्थिति में सेवा करना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनकी सुख-सुविधा का ध्यान रखना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनके साथ परिवार के ज्येष्ठ सदस्यों का भी आदर करना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनकी आज्ञा का क्या आप जानते हैं की माता-पिता की सेवा करना चाहिए या नहीं ? जी बहुत ही उत्तम प्रश्न पूछा है महोदय हमारे माता पिता ही बचपन से लेकर किशोरावस्था तक हमारा लालन-पालन करते। हम अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके इसके लिए वे मेहनत करके पैसे कमाते है ।हमारी शिक्षा में कोई रूकावट ना उत्पन्न हो इसके लिए वे अपनी कई इच्छाओं को दबा जाते हैं, सोचते हैं कही मेरे बेटे या बेटी के भविष्य पर कोई आंच ना आने पाये। बदले में एक छोटी सी अभिलाषा करते हैं कि हमारी वृद्धावस्था में हमारा बेटा या बेटी हमारा ख्याल रखेगे। और हम युवा हो के जरा सा अपने पैरों पर खड़े क्या होते हैं इस तरह के प्रश्न पूछने लगते हैं कि हमे अपने माता पिता की सेवा करनी चाहिए की नही वह जी वह क्या बात है।जिन माता पिता ने हमे पाला -पोसा, पढ़ाया -लिखाया, हमे इस काबिल बनाया कि हम कुछ कर सके।हम अपने पैरो पे खड़े हो सके अर्थात कुछ कमाने योग्य हो पायें। उन्ही माता पिता के बारे में ऐसा बेतुका प्रश्न करने में शर्म नही आती।

स्वयं भगवान श्रीराम अपने पिता का वचन निभाने के लिए उनकी आग्या अनुसार 14 वर्ष वनवास जाने मे जरा भी नही हिचके ,और अपने पिता का वचन पूरा करने के लिए खुशी खुशी वन चले गये। फिर हम तो बहुत तुच्छ प्राणी हैं ,हमे अपने माता पिता की सेवा अवश्य करनी चाहिए। जरा सोचिए आगे चलकर आपका बेटा आपके बारे किसी से यही प्रश्न पूछे की क्या मुझे अपने माता पिता की सेवा करनी चाहिए या नही।माता पिता की सेवा करना हरेक पुत्र का दायित्व है भारतीय संस्कृति और धर्म में माता-पिता की सेवा करना एक बहुत ही महत्वपूर्ण कर्तव्य माना जाता है। पुत्रों को विशेष रूप से अपने माता-पिता की सेवा करने का अधिक दायित्व सौंपा गया है। शास्त्रों में माता-पिता की सेवा के महत्व को कई कारणों से बताया गया हैः * ऋणानुबंधः माता-पिता अपने बच्चों को जन्म देते हैं, उनका पालन-पोषण करते हैं और उन्हें शिक्षित करते हैं। इस तरह, बच्चे अपने माता-पिता के ऋणी होते हैं और उन्हें इस ऋण को चुकाने के लिए उनकी सेवा करनी चाहिए। * धार्मिक कर्तव्यः धर्म ग्रंथों में माता-पिता की सेवा को एक पवित्र कर्तव्य बताया गया है। ऐसा करने से पुण्य मिलता है और मोक्ष प्राप्त होता है। * समाज का आधारः माता-पिता और बच्चों के बीच का मजबूत बंधन ही एक मजबूत समाज का आधार होता है। * समाज में सम्मानः जो लोग अपने माता-पिता की सेवा करते हैं, उनका समाज में सम्मान होता है। माता-पिता की सेवा के तरीकेः माता-पिता की सेवा करने के कई तरीके हैं, जैसे किः * उनकी देखभाल करनाः जब वे बीमार हों या बुजुर्ग हो जाएं, तो उनकी देखभाल करना। * उनकी इच्छाओं का सम्मान करनाः उनके विचारों और भावनाओं का सम्मान करना। * उनके साथ समय बितानाः उनके साथ समय बिताना और उनकी बातें सुनना। * उनकी मदद करनाः घर के कामों में उनकी मदद करना। * उनके लिए प्रार्थना करनाः उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करना। आधुनिक समय मेंः आज के समय में, जीवनशैली में बहुत बदलाव आया है। कई युवा लोग अपने माता-पिता से दूर रहते हैं या अपने करियर पर अधिक ध्यान देते हैं। ऐसे में माता-पिता की सेवा करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। लेकिन फिर भी, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि माता-पिता का स्थान हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है। माता-पिता की सेवा करना एक पुण्य का काम है और यह हमें मानवता की ओर ले जाता है।

हमें अपने माता-पिता के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए और उनके जीवन में खुशियां लाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।क्या आप जानते हैं हर पुत्र का धर्म है कि अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिए ? जी हां, यह बात बिल्कुल सही है। भारतीय संस्कृति और धर्म में माता-पिता की सेवा करना एक बहुत ही महत्वपूर्ण कर्तव्य माना जाता है। पुत्रों को विशेष रूप से अपने माता-पिता की सेवा करने का अधिक दायित्व सौंपा गया है। शास्त्रों में माता-पिता की सेवा के महत्व को कई कारणों से बताया गया हैः * ऋणानुबंधः माता-पिता अपने बच्चों को जन्म देते हैं, उनका पालन-पोषण करते हैं और उन्हें शिक्षित करते हैं। इस तरह, बच्चे अपने माता-पिता के ऋणी होते हैं और उन्हें इस ऋण को चुकाने के लिए उनकी सेवा करनी चाहिए। * धार्मिक कर्तव्यः धर्म ग्रंथों में माता-पिता की सेवा को एक पवित्र कर्तव्य बताया गया है।

ऐसा करने से पुण्य मिलता है और म माता पिता को भगवान का रूप क्यों माना जाता है? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार क्या नियत उम्र के बाद पुत्री का विवाह नहीं करने पर माता-पिता पाप के भागीदार होते हैं? हर पुत्र का धर्म है कि अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिएः माता-पिता की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनकी आज्ञा मानना और उनके बताए रास्ते पर चलना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनके आशीर्वाद को पाना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनके प्रति सम्मान रखना और उनकी इच्छाओं का सम्मान करना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनकी हर स्थिति में सेवा करना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनकी सुख-सुविधा का ध्यान रखना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनके साथ परिवार के ज्येष्ठ सदस्यों का भी आदर करना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उनकी आज्ञा का पालन करना, गलत का नहीं. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उन्हें सुबह-सुबह प्रणाम करना. माता-पिता की सेवा करने का मतलब है, उन्हें इज़्ज़त देना चाहिए और अपने पत्नी को भी ऐ बात समझानी चाहिए और अवश्य ही ऐसा ना करने पर उसका परित्याग कर देना चाहिए।

27 साल के युवक की जहर पीने से मौत

थाने पर शव रखकर प्रदर्शन, 15 लाख का लोन दिलाने के नाम पर महिला ने लिए थे 3 लाख

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। बालागंज निवासी 27 वर्षीय युवक शैलेंद्र जाटव की जहर पीने से एम्स में रविवार शाम उपचार के दौरान मौत हो गई। 15 लाख रुपए का लोन दिलाने के नाम पर एक महिला द्वारा 3 लाख रुपए ठगने और कर्जदारों के दबाव से परेशान होकर युवक ने यह कदम उठाया दोपहर पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित परिजन शव लेकर सीधे कोतवाली थाने पहुंचे और निष्पक्ष जांच करते हुए आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। फिलहाल पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। मृतक के चाचा दुलारे ने बताया कि उनका भतीजा शैलेंद्र जाटव पुष्पक लॉज के सामने एक बैग की दुकान पर काम करता था शनिवार रात को शैलेंद्र नर्मदा किनारे काले महादेव मंदिर के पास बीमार हालत में मिला था।

परिजन जब उसे तत्काल डॉक्टर के पास ले गए, तो डॉक्टर ने पॉइजन (जहर) पीने की बात बताई। हालत गंभीर होने पर उसे भोपाल के एम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान शाम को उसने दम तोड़ दिया।

कर्जदार बना रहे थे दबाव, महिला ने लिए थे 3 लाख: पोस्टमार्टम के बाद शव को नर्मदापुरम लाया गया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि शैलेंद्र को कर्जदार लगातार परेशान कर रहे थे चाचा दुलारे ने बताया, 'हमें जानकारी है कि एक महिला ने उसे 15 लाख रुपए का लोन दिलाने के नाम पर 3 लाख रुपए लिए थे। 3 लाख रुपए उसने कुछ लोगों से कर्ज लिया था। वो लोग रुपए मांगने के लिए उस पर दवाब बना रहे थे।

परिजनों ने जताई जहर पिलाने की आशंका: कोतवाली थाने के बाहर परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका भी जताई है। चाचा का कहना है कि, 'भतीजे शैलेंद्र ने खुद ने पॉइजन पिया या उसे पिलाया गया उसकी पुलिस जांच करें। हम पुलिस से मांग करते है कि निष्पक्ष जांच करें, कोई दोषी पाया जाता है वो उसके खिलाफ कार्रवाई हो। थाने पर प्रदर्शन कर रहे परिजनों को पुलिस ने समझाइश दी और वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मामले को लेकर एसआई हेमंत निशोद ने बताया, '27 साल के युवक शैलेंद्र जाटव की मौत हुई है। परिजनों के अनुसार पॉइजन पीने की बात बताई है। मामले में जांच करेंगे। किसी से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया तो कार्रवाई की जाएगी।

तालाब निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण का विरोध, किसानों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले की बदरवास तहसील के अंतर्गत आने वाले बरौदिया, मगरौरा और बिजरौनी गांवों के किसानों ने प्रस्तावित तालाब निर्माण के लिए हो रहे भूमि अधिग्रहण का कड़ा विरोध शुरू कर दिया है प्रभावित किसानों ने भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा वर्तमान में किसानों ने अपनी उपजाऊ जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया को स्पष्ट करने और बाजार दर के आधार पर दोगुना मुआवजा देने की मांग की है, साथ ही प्रशासन को 15 दिन में ठोस निर्णय न लेने पर भोपाल कूच की चेतावनी दी है। किसानों का आरोप है कि उनकी उपजाऊ कृषि भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया कानूनी रूप से बिल्कुल स्पष्ट नहीं है, फिर भी प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी की जा रही है। किसानों का कहना है कि प्रभावित लोगों को न तो इस पूरी प्रक्रिया की कोई जानकारी दी गई और न ही अब तक उनकी आपत्तियों का कोई समाधान किया गया है प्रभावित किसानों ने प्रशासन को बताया कि खेती ही उनके परिवारों की आजीविका का एकमात्र साधन है। इस भूमि अधिग्रहण से उनके सामने रोजगार और भारी आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि अधिग्रहण से जुड़ी सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जाएं और किसानों की आपत्तियों पर विधिवत सुनवाई के बाद ही आगे की कोई भी कार्रवाई की जाए ज्ञापन में किसानों ने प्रमुख रूप से यह मांग की है कि यदि तालाब के लिए यह भूमि अधिग्रहण आवश्यक है, तो उन्हें वर्तमान बाजार दर के आधार पर दोगुना मुआवजा दिया जाए। इससे वे अपने लिए वैकल्पिक कृषि भूमि खरीद सकेंगे। इसके साथ ही किसानों ने प्रशासन से अधिग्रहण से संबंधित सभी आदेशों और स्वीकृतियों की प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता रखने की भी मांग की है।

जिले में धान उठाव ने पकड़ी रफ्तार, अबतक 4.82 लाख क्विंटल का हुआ सफल परिवहन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पश्चात अब उठाव कार्य ने उल्लेखनीय गति पकड़ ली है। प्रशासन की सक्रिय कार्यशैली, सतत मॉनिटरिंग, मिलर्स एवं परिवहन एजेंसियों के साथ सुदृढ़ समन्वय तथा चरणबद्ध रणनीति के परिणामस्वरूप 25 उपार्जन केंद्रों में खरीदे गए धान का सुव्यवस्थित परिवहन लगातार जारी है अब तक जिले में कुल 8 लाख 79 हजार 848.6 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है, जिनमें से 4 लाख 82 हजार 860 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक उठाव कर लिया गया है यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता को दर्शाती है बल्कि यह भी प्रमाणित करती है कि जिले में धान प्रबंधन की व्यवस्था पूरी तरह संगठित और परिणामोन्मुखी है। धान उठाव में आई तेजी से उपार्जन केंद्रों एवं सोसायटी परिसरों में भंडारण का दबाव लगातार कम हो रहा है।

इससे केंद्रों पर व्यवस्था सुचारु बनी हुई है और नए आगमन के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो पा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण एवं समीक्षा बैठकें लेकर प्रगति की निगरानी की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या विलंब की स्थिति उत्पन्न न हो। परिवहन एजेंसियों को समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित कर दिए गए हैं और मिलर्स के साथ समन्वय स्थापित कर चरणवार धान उठाव सुनिश्चित किया जा रहा है। इसका सकारात्मक प्रभाव यह है कि किसानों को भुगतान प्रक्रिया में तेजी मिली है और उन्हें अपनी उपज का लाभ समय पर प्राप्त हो रहा है इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जिले के अधिकांश बड़े केंद्रों में कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है और लक्ष्य की दिशा में ठोस प्रगति हो रही है। प्रशासन द्वारा शेष 3 लाख 96 हजार 988.6 क्विंटल धान के उठाव को भी निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए परिवहन व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा रहा है।

जिले के प्रमुख उपार्जन केंद्रों से उल्लेखनीय मात्रा में धान का उठाव दर्ज किया गया है। केल्हारी केंद्र से 39,380 क्विंटल, कौड़ीमार से 38,260 क्विंटल, बरबसपुर से 31,290 क्विंटल, चैनपुर से 30,860 क्विंटल, डोडकी से 30,530 क्विंटल, बरदर से 30,210 क्विंटल, कोड़ा से 27,810 क्विंटल, नागपुर से 24,040 क्विंटल, घुटरा से 23,620 क्विंटल, कठौतिया से 23,600 क्विंटल, कुवांरपुर से 23,160 क्विंटल, बंजी से 23,120 क्विंटल तथा खड़गवां से 20,930 क्विंटल धान का सफल उठाव किया जा चुका है।

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर रोक की मांग, मुख्यमंत्री के नाम एसपी को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म को लेकर विवाद बढ़ गया है। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा, जिला शिवपुरी के पदाधिकारियों ने फिल्म पर तत्काल रोक और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन शिवपुरी पुलिस अधीक्षक को सौंपा महासभा के जिलाध्यक्ष नरहरी प्रसाद यादव (सेवानिवृत्त निरीक्षक, म.प्र. पुलिस) के नेतृत्व में यह ज्ञापन सौंपा गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि फिल्म के पोस्टर, ट्रेलर और सोशल मीडिया प्रचार सामग्री में यादव समाज की छवि को आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है इससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। महासभा का कहना है कि यादव समाज राष्ट्रनिर्माण, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में हमेशा अग्रणी रहा है, और ऐसी प्रस्तुति समाज की गरिमा के विपरीत है। ज्ञापन में यह भी बताया गया है कि फिल्म का निर्माण ओम ठकुरानी प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने किया है। फिल्म से जुड़े प्रमुख पदों पर यादव समाज का कोई प्रतिनिधि नहीं है। महासभा के अनुसार, फिल्म में अभिनेत्री को यादव समाज से दिखाया गया है, जबकि वह अन्य समाज से हैं। इसे समाज विशेष की छवि को प्रभावित करने का प्रयास माना जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से अपील की है कि इस मामले को केंद्र सरकार के संज्ञान में लाया जाए, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर उचित निर्णय लिया जा सके।

ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, एनएच-46 हादसे में अनियंत्रित ट्रक सैलून पर पलटा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के सुभाषपुरा थाना क्षेत्र में एनएच-46 स्थित धौलागढ़ फाटक पर रविवार शाम करीब 7 बजे एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो व्यक्तियों को रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई हादसे के बाद अनियंत्रित ट्रक हाइवे किनारे बने प्रतीक्षालय और एक सैलून की दुकान पर पलट गया। मृतकों की पहचान बनेरा गांव निवासी मातादीन आदिवासी और सिद्धम आदिवासी के रूप में हुई है। वे रिश्ते में साढू थे। जानकारी के अनुसार, मातादीन आदिवासी अपनी बेटी के रिश्ते की बात करने के लिए अपने साढू सिद्धम आदिवासी के साथ इमलिया करसेना गांव गए थे। लौटते समय धौलागढ़ फाटक के पास उनकी बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार दूर जा गिरे और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद कुछ देर तक उनके शव हाइवे पर पड़े रहे राहगीरों ने तत्काल पुलिस और हाइवे एंबुलेंस को सूचना दी एंबुलेंस की मदद से दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ट्रक के पलटने से हाइवे किनारे स्थित एक सैलून की दुकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सैलून संचालक अतुल सेन ने बताया कि घटना से कुछ ही देर पहले वह अपने भाई टिंकल सेन के साथ दुकान बंद कर घर के लिए निकले थे। उन्होंने कहा कि अगर वे कुछ देर और रुक जाते, तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलने पर सुभाषपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है। आज जिला मुख्यालय पर दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

शताब्दीपुरम में 15 लाख के जेवरात चोरी, डबरा शादी में गया था परिवार

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। प्रिंटिंग का व्यवसाय करने वाले एक व्यापारी के सूने घर के ताले तोड़कर चोर गिरोह ने डायमंड पेंडेंट, सोने की चेन, हार और अंगूठियां समेत करीब 15 लाख रुपए का सामान चोरी कर लिया। वारदात शताब्दीपुरम स्थित अनिल भाटिया आवासीय परिसर में 18 फरवरी दोपहर 1 बजे से 22 फरवरी शाम 6 बजे के बीच हुई। घटना के समय घर के सभी सदस्य डबरा में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रविवार शाम को लौटने पर उन्हें चोरी की जानकारी मिली। चोरी की आशंका के चलते घर की महिलाएं असली कीमती जेवरात अलमारी के लॉकर में रखकर गई थीं और आर्टिफिशियल ज्वेलरी पहनकर गई थीं। शताब्दीपुरम निवासी कपिल पिता श्यामसुंदर गुप्ता (43) प्रिंटिंग प्रेस का व्यवसाय करते हैं। 18 फरवरी को वह परिवार के साथ रिश्तेदार के यहां शादी में डबरा गए थे, जिससे घर सूना पड़ा था। 22 फरवरी को लौटने पर दरवाजे के ताले टूटे मिले और अंदर पूरा घर अस्त-व्यस्त था। इससे स्पष्ट हुआ कि घर में चोरी की वारदात हुई है। मामले की सूचना तत्काल महाराजपुरा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि चोरों ने एक रात पहले वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरियादी कपिल गुप्ता ने पुलिस को बताया कि चोर उनके सूने घर से अलमारी का लॉकर तोड़कर डायमंड का पेंडेंट, 2 सोने की चेन, 3 सोने की अंगूठियां, 1 सोने का सिक्का, 2 सोने के हार सेट, 2 जोड़ी सोने की ईयर रिंग, 1 सोने का पेंडेंट, 1 सोने की नथ, 1 सोने का मांग टीका, 3 चांदी की अंगूठियां, 2 जोड़ी चांदी की पायल और करीब 100 ग्राम पुराने चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए।

15 साल की लड़की ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में लिखा- 'मौत की मैं खुद जिम्मेदार हूँ'

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। एक घटना में 15 साल की किशोरी ने फांसी के फंदे पर लटककर जान दें दी घटना ग्राम रायपुर की है जब किशोरी घर पर अकेली थीं। रात 8 बजे सूचना मिलने पर देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटना स्थल पर जांच कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला जिसमें लिखा कि 'मौत की मैं खुद जिम्मेदार हूँ'। पुलिस मामले में जांच कर रही है जानकारी के मुताबिक मृतका की उम्र 15 साल है। उसके माता पिता मजदूरी करते हैं। शाम 4.30 बजे उसके पिता माता-पिता ने किशोरी को घर भेज दिया था। शाम 7 बजे जब घर के बाहर कोई दिखा नहीं तो पड़ोस में रहने वाली उसकी दादी ने अंदर जाकर देखा। जहां फांसी के फंदे पर किशोरी लटकी मिली इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों और परिजनों को इसकी जानकारी दी सूचना मिलने पर एसआई मोनिका गौर, एएसआई दिनेश मेहरा और एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची घटना स्थल पर एक सुसाइड नोट मिला एसआई मोनिका गौर ने बताया घटना स्थल पर मिले कागज में उल्लेख है कि 'मेरी मौत की जिम्मेदार मैं खुद हूँ' लिखा है किन कारणों से उसने फांसी लगाई है। इसकी जांच कर रहे है। परिजनों के बयान और सुसाइड नोट के हैंडराइटिंग की जांच कराई जाएगी।

टीशर्ट उतार प्रदर्शन में 3 कांग्रेस नेता हिरासत में, दिल्ली पुलिस ग्वालियर से उठा ले गई; सोशल मीडिया पर आए वीडियो के आधार पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इंपैक्ट समिट में प्रदर्शन करने के आरोप में सोमवार को यूथ कांग्रेस के दो और नेताओं को ग्वालियर से पकड़ा है इनके नाम राजा गुर्जर और अजय कुमार हैं। इससे पहले रविवार को यूथ कांग्रेस नेता जितेंद्र यादव को भी ग्वालियर से हिरासत में लिया गया था। आरोप है कि इन नेताओं ने कार्यक्रम में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया था, जिसका वीडियो भी सामने आया था। इसके आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। दिल्ली (तिलक नगर थाना) पुलिस की टीम ग्वालियर आई थी। स्थानीय पुलिस की मदद से विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र और झांसी रोड थाना क्षेत्र से तीनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के लिए तीनों को दिल्ली ले जाया गया है।

दरअसल, 20 फरवरी को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में युवक कांग्रेस ने समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया था प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 11 कार्यकर्ता हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए हैं। टी-शर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उस पर लिखा है- इज कॉम्प्रोमाइज्ड इन्हीं वीडियो के आधार पर दिल्ली पुलिस युवक कांग्रेस के नेताओं की पहचान कर कार्रवाई कर रही है। जितेंद्र यादव के पटेल नगर सिटी सेंटर में जितेंद्र यादव रहता है। उनके पिता केशव यादव ने दैनिक भास्कर को पूरा घटनाक्रम बताया। उन्होंने रोते हुए कहा- शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे हम सभी सो रहे थे। जितेंद्र भी अपने कमरे में था। केशव यादव के मुताबिक अचानक परिसर के गेट पर किसी की आहट हुई। जब तक हम जागकर बाहर आए, कुछ लोग गेट खोले बिना ही अंदर आ चुके थे। उनमें से कुछ वर्दी में थे तो कुछ सादे कपड़ों में। केशव यादव ने बताया कि उन्होंने हमसे जितेंद्र के बारे में पूछा, फिर जबरदस्ती ऊपर उसके कमरे में चले गए। उसे थप्पड़ मारते हुए नीचे ले आए। हमने पूछा तो उनमें से कुछ लोगों ने खुद को यूनिवर्सिटी थाने से बताया तो कुछ लोगों ने क्राइम ब्रांच का स्टाफ होने की बात कही। वे जितेंद्र को सीएसपी लिखी दिल्ली के रजिस्ट्रेशन वाली स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठाकर ले गए। हम रात में ही कुछ नेताओं के साथ थाने गए तो उन्होंने हमें बेटे से मिलने भी नहीं दिया। अपने मोबाइल से ही बात कराई थी। बताया कि दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन के मामले में जितेंद्र को हिरासत में लिया है। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया।

शिव मंदिर 'डॉक्टर महादेव' नाम से प्रसिद्ध, अभिषेक जल से त्वचा समस्याओं में लाभ की मान्यता

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। जिले के बधौली गांव के एक प्राचीन शिव मंदिर को 'डॉक्टर महादेव' के नाम से जाना जाता है। यहां श्रद्धालुओं का मानना है कि शिवलिंग पर किए गए अभिषेक का जल त्वचा संबंधी समस्याओं पर लगाने से लाभ मिलता है। इसी आस्था के कारण स्थानीय लोग और अन्य राज्यों से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं यह मंदिर ग्वालियर जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर बधौली गांव में एक पहाड़ी पर स्थित है। मुख्य मार्ग से लगभग तीन किलोमीटर अंदर स्थित इस मंदिर तक श्रद्धालु पैदल पहुंचते हैं।

1526 में राजा मानसिंह तोमर ने कराया था निर्माण: स्थानीय लोगों के अनुसार, मंदिर का निर्माण1526 में ग्वालियर रियासत के राजा मानसिंह तोमर ने करवाया था। उस समय बधौली क्षेत्र में उनकी सैन्य छावनी थी। सैनिकों की आस्था को ध्यान में रखते हुए यहां शिवलिंग की स्थापना की गई थी। यह शिवलिंग आज भी मंदिर के गर्भगृह में स्थापित है मंदिर पहाड़ी पर स्थित है। मंदिर से जुड़े पुजारी परिवार के सदस्य ऋषि शर्मा ने बताया कि श्रद्धालु शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के बाद उसी जल को प्रभावित स्थान पर लगाते हैं। कुछ श्रद्धालु मंदिर परिसर के पीछे बने कुंड से जल भरकर अपने घर भी ले जाते हैं।

अटल विहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी के पूर्व रजिस्ट्रार सस्पेंड, भंडार क्रय नियमों को दरकिनार कर खरीदी और आर्थिक अनियमितता में संलिप्त पाए जाने पर एक्शन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी में खरीदी पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर राज्य सरकार ने पूर्व रजिस्ट्रार शैलेन्द्र दुबे को सस्पेंड कर दिया है। यूनिवर्सिटी के तत्कालीन रजिस्ट्रार पर आर्थिक गड़बड़ी करने का आरोप है। उच्च शिक्षा विभाग की जांच में विश्वविद्यालय को आवंटित की गई राशि में गड़बड़ी, जैम पोर्टल के माध्यम से सामग्री क्रय किए जाने में आर्थिक अनियमितता में संलिप्तता प्रथम दृष्टया पाई गई है।

जांच में रजिस्ट्रार दुबे पर भंडार क्रय नियम 2002 के संशोधित 2025 के नियमों का पालन नहीं किया गया है उनका यह कृत्य सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत है। उन्होंने सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1966 के नियम 9 (1) (क) के विपरीत काम किया है, जिस पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय क्षेत्रीय अपर संचालक कार्यालय, उच्च शिक्षा विभाग (छ.ग.) निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। यूनिवर्सिटी के छात्रों ने प्रभारी कुलसचिव डॉ. शैलेंद्र दुबे और कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेई पर आरोप लगाते हुए कहा था कि, उनकी मिलीभगत से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और वित्तीय कार्यों में अनियमितताएं हो रही हैं।

नवग्रह मंदिर के नाम अरबों की जमीन हड़पने का आरोप, दलित संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सीएम को पत्र लिखा; सरकारी मंदिर घोषित करने की मांग

मीडिया ऑडीटर, दतिया (निप्र)। डबरा के नवग्रह मंदिर में घोटाले का आरोप आजाद समाज पार्टी (भीम आर्मी) राष्ट्रीय कोर समिति सदस्य की ओर से लगाया गया है। समिति सदस्य और दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव ने कहा धर्मस्थल की आड़ में अरबों रुपये की सरकारी जमीन हथियाने का प्रयास किया जा रहा है।

डबरा में शुगर मिल के लिए सरकार द्वारा सैकड़ों एकड़ जमीन लीज पर दी गई थी। जिसे सत्ता के प्रभाव से एक निजी ट्रस्ट के नाम दान पत्र के जरिए देने का प्रयास किया गया।

उन्होंने सवाल उठाया कि लीज धारक को दान पत्र लिखने का कोई अधिकार नहीं होता। ऐसे में यह जमीन किसने और किस अधिकार से ट्रस्ट को दी, इसकी तत्काल उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।

सीएम से सरकारी मंदिर घोषित करने की मांग : दामोदर यादव ने आगे कहा कि उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मांग की है कि नवग्रह मंदिर को सरकारी मंदिर घोषित किया जाए और इसे धर्मस्व विभाग के अधीन लाकर ग्वालियर जिला प्रशासन को संचालन सौंपा जाए।

उन्होंने दावा किया कि नवग्रह मंदिर की जमीन से जुड़े कई अहम दस्तावेज और सबूत उनके पास मौजूद हैं। जिनकी प्रतियां मुख्यमंत्री को भेजी जा रही हैं। साथ ही कुछ दस्तावेज पत्रकार वार्ता में मीडिया के समक्ष भी प्रस्तुत किए गए।

कार्रवाई नहीं हुई तो न्यायालय जाएंगे : यादव ने कहा कि यदि प्रदेश सरकार ने इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की, तो वे न्यायालय की शरण लेंगे। लेकिन किसी भी कीमत पर धर्म की आड़ में धंधा नहीं होने देंगे।

जंगल में छोड़कर भागे रूठियाई से चुराए ट्रैक्टर ट्रॉली, ईंट भट्टे पर रखे ट्रैक्टर ट्रॉली हो गए थे चोरी

मीडिया ऑडीटर, गुना (निप्र)। गुना के धरनावदा इलाके से चोरी किए गए ट्रैक्टर ट्रॉली पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। ईंट भट्टे से ट्रैक्टर ट्रॉली चुराए गए थे। पुलिस ने आरोन इलाके के जंगल से ट्रैक्टर ट्रॉली बरामद किए हैं। हालांकि, इस दौरान चोरी करने वाले लोग नहीं मिले। धरनावदा पुलिस ने बताया कि 4 फरवरी को मनीष अग्रवाल निवासी कर्माखेडी रुठियाई के द्वारा रुठियाई चौकी पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। उन्होंने बताया था कि 2 फरवरी की दरम्यानी रात किसी अज्ञात व?यक्ति के द्वारा हाईवे किनारे स्थित ईंट भट्टे के पास रखा उसका नीले रंग का ट्रैक्टर और ट्रॉली चोरी कर लिया है। उसकी शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। धरनावदा पुलिस के अनुसार प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए स्क्कअंकित सोनी के निर्देशन और राघौगढ़ स्छ्ह्क्कदीपा डोडवे के नेतृत्व में थाना प्रभारी स्ढ्ढ प्रभात कटारे ने टीम गठित कर चोरी गए ट्रेक्टर-ट्रॉली की खोजबीन शुरू की। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर महत्वपूर्ण सुराग इकट्ठे किए गए। इस दौरान मिले तथ्यों के आधार पर सर्चिंग अभियान चलाया गया। इसी क्रम में आरोन थाना क्षेत्रांतर्गत भैंसावला-झाझौन महादेवपुरा के जंगल से चोरी गया ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद कर लिया गया। हालांकि, इस दौरान कोई आरोपी नहीं मिला। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।.0

यूपी का इंजीनियर ओंकारेश्वर में डूबा्नर्मदा में नहाने उतरा था, देरी से पहुंचे गोताखोर, सर्च ऑपरेशन जारी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में रविवार सुबह ब्रह्मपुरी घाट पर स्नान के दौरान उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज निवासी 22 वर्षीय नानकचंद्र यादव डूब गया। लोगों ने उसे डूबते देखा और शोर मचाया, लेकिन घाट पर कोई सुरक्षा संसाधन नहीं थे, जिससे कि समय रहते उसे बचाया नहीं जा सका।

नहाने उतरा था, अचानक गहराई में पहुंचा: सूचना मिलने पर प्रशासनिक अमला और होमगार्ड की टीम मौके पर पहुंची, तब तक युवक गहरे पानी में लापता हो चुका था। नानकचंद्र अपने बुआ के बेटे विमल कुमार के साथ ओंकारेश्वर आया था। विमल के अनुसार, घाट पर न तो जंजीर लगी है और न ही पानी की गहराई बताने के लिए कोई सूचना या अनाउंसमेंट की व्यवस्था है। इसी कारण नानकचंद्र को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाया। परिजनों ने बताया कि, नानकचंद्र ने बीटेक की पढ़ाई पूरी कर ली थी और रेलवे इंजीनियरिंग परीक्षा के सिलसिले में आगरा जा रहा था। यात्रा के दौरान उसने पहले उज्जैन में महाकालेश्वर और फिर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन की इच्छा जताई थी। इसी क्रम में दोनों पहले उज्जैन गए और फिर ओंकारेश्वर पहुंचे। वे शनिवार शाम को भी ब्रह्मपुरी घाट पर स्नान कर चुके थे, तब नर्मदा का जलस्तर बढ़ा हुआ था।

घाट पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं: रविवार सुबह नानकचंद्र एक अन्य युवक के साथ दोबारा स्नान करने गया इसी दौरान हादसा हो गया। बता दें कि, तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में रोजाना हजारों श्रद्धालु नर्मदा स्नान के लिए पहुंचते हैं। बावजूद इसके घाटों पर सुरक्षा इंतजाम पर्याप्त नहीं हैं।

फायरिंग में मौत के बाद पीड़ित परिवार को सहायता की मांग

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर 7 हाल ही में शहर में एक शादी समारोह के दौरान हुई फायरिंग की घटना में नाबालिग विवेक बंसल की दुखद मृत्यु के बाद धानुक समाज के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक शैलेंद्र जैन से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मृतक परिवार की आर्थिक स्थिति से अवगत कराते हुए शासन स्तर से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। विधायक जैन ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विवाह जैसे सामाजिक आयोजनों में फायरिंग अत्यंत खतरनाक प्रवृत्ति है, जिससे निर्दोष लोगों की जान जोखिम में पड़ती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए वे जिला प्रशासन से चर्चा कर शादी-विवाह और सार्वजनिक कार्यक्रमों में हथियारों के उपयोग व हर्ष फायरिंग पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग करेंगे।

बुजुर्ग का गला दबाकर कड़े छीनने की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार ; राजगढ़ में चांदी के जेवर पहने थी महिला

मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। राजगढ़ जिले के जीरापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मन्याखेड़ी में रविवार दोपहर एक बुजुर्ग महिला से लूट का प्रयास किया गया। खलिहान में काम कर रही 80 वर्षीय कमलाबाई का गला दबाकर चांदी के कड़े छीनने की कोशिश की गई। महिला के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। मन्याखेड़ी निवासी कमलाबाई (80) पत्नी स्वर्गीय भंवरलाल गुर्जर रविवार दोपहर करीब एक बजे अपने खलिहान में काम कर रही थीं। तभी पीछे से आए एक युवक ने उनका गला दबा दिया और हाथों में पहने चांदी के कड़े निकालने का प्रयास किया। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाया।

खलिहान गांव और बायपास के नजदीक होने के कारण कमलाबाई की आवाज सुनकर ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों को आता देख आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। सूचना मिलने पर जीरापुर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गोपाल पिता नानूराम बागरी निवासी ग्राम पिलवास, थाना नलखेड़ा बताया। पुलिस ने गोपाल को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

उल्लेखनीय है कि जीरापुर क्षेत्र में पहले भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कुछ समय पूर्व एक महिला से मंगलसूत्र छीनने और एक बुजुर्ग को सोने के कुंडल के बदले तांबे के तार की पुड़िया थमाकर ठगी करने के मामले दर्ज हुए थे। पुलिस अब आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता चल सके कि वह पूर्व की वारदातों में भी शामिल था या नहीं। ग्रामीणों की सजगता से एक संभावित बड़ी घटना टल गई। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

बुरहानपुर में तेंदुए ने किया गाय का शिकार, बंभाड़ा के चांदगढ़ में की घटना

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के शाहपुर वन परिक्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत बंभाड़ा के चांदगढ़ में शुक्रवार रात एक तेंदुए ने किसान प्रकाश पूनमचंद बारी की गाय पर हमला कर उसे मार डाला है। घटना की सूचना मिलने के बाद शनिवार को वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार कर लिया है और क्षेत्र में गश्त बढ़ाकर ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मोहद वन चौकी के डिप्टी रेंजर अरुण सातव ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और पंचनामा तैयार किया।

धार में रतलाम के हिस्ट्रीशीटर की सड़क हादसे में मौत: बाइक पेड़ से टकराई, 15 से ज्यादा केस दर्ज थे; झाड़ियों में मिला शव

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के 21 वर्षीय हिस्ट्रीशीटर बदमाश हर्ष उर्फ कटोरा की धार जिले में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। यह हादसा शनिवार-रविवार की दरमियानी रात बदनावर तहसील के कोद-बिड़वाल मार्ग पर हुआ, जहां उसकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। रविवार सुबह राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने झाड़ियों से शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के बाद दोपहर में परिजनों को सौंप दिया। वर्तमान में पुलिस ने मर्ग कायम कर इस पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। पिपलीचौकी (रतलाम) का रहने वाला हर्ष (पिता संतोष पंवार) कुछ समय से धार जिले के बिड़वाल में अपने मामा के यहां रह रहा था। पुलिस के अनुसार, शनिवार-रविवार की रात वह अपनी बाइक से बिड़वाल से

रतलाम आने के लिए निकला था। इसी दौरान कोद-बिड़वाल मार्ग पर एक मोड़ के पास उसकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस तरह बाइक क्षतिग्रस्त हालात में मिली। इस तरह बाइक क्षतिग्रस्त हालात में मिली।

रविवार सुबह झाड़ियों में पड़ा मिला शव : हादसे के बाद रातभर हर्ष का शव मौके पर ही पड़ा रहा। रविवार सुबह जब कुछ लोग इस मार्ग से गुजरे, तो उन्होंने सड़क किनारे क्षतिग्रस्त बाइक देखी। लोगों ने पास जाकर देखा तो समीप की झाड़ियों में हर्ष मृत अवस्था में पड़ा था। राहगीरों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। सूचना मिलने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे।

इंदौर के पैतृक गांव देपालपुर ले गए शव : रविवार दोपहर को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। परिजन हर्ष के शव को लेकर अपने पैतृक गांव देपालपुर (जिला इंदौर) लेकर रवाना हो गए। पुलिस घटनास्थल की जांच कर रही है।

हत्या के प्रयास सहित 15 से ज्यादा केस दर्ज थे : मृतक हर्ष रतलाम के स्टेशन रोड थाने का लिस्टेड हिस्ट्रीशीटर था। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में 15 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, हर्ष पर पूर्व में हत्या के प्रयास के 2 केस, अवैध वसूली के 4 मामले, एट्रोसिटी एक्ट का 1 प्रकरण और आम जनता के साथ मारपीट करने के 9 से अधिक मामले दर्ज थे।

खंडवा में 4.40 लाख का सोना-चांदी बरामद:दो आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के किल्लौद थाना क्षेत्र में हुई नकबजनी की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए करीब 4 लाख 40 हजार रुपए मूल्य के सोना-चांदी के जेवर और 5 हजार रुपए नगद जब्त किए हैं। मामला 14 फरवरी 2026 को दर्ज किया गया था। ग्राम झागरिया निवासी शांतिलाल केवट ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 8 फरवरी को वह अपने पड़ोसियों के साथ जामन्या टापू पर मजदूरी के लिए गया था।

सोने चांदी के जेवर लेकर भागे थे चोर : 13 फरवरी को घर लौटने पर देखा कि उसके घर और अलमारी का ताला टूटा हुआ है। घर से चांदी का कमर कंदोरा, पायल, सोने की माला, चांदी की चैन, बिछिया, अंगूठियां और 5 हजार रुपये नगद चोरी हो गए थे। पड़ोसियों के घरों में भी ताले टूटे मिले। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने झागरिया गांव निवासी सुरपाल भिलाला (28) और विष्णु भिलाला (25) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने चोरी करना स्वीकार किया।

न्यायालय में पेश कर भेजा जेल : पुलिस ने आरोपियों से कुल 4.40 लाख रुपए कीमत के जेवर और नकदी बरामद की। दोनों आरोपियों को 22 फरवरी को हरसूद न्यायालय में पेश किया गया।

मकान बिक्री एग्रीमेंट में 30 लाख की धोखाधड़ी- अशोकनगर में दो आरोपियों पर मामला दर्ज, जांच शुरू

मीडिया ऑडीटर, अशोकनगर (निप्र)। अशोकनगर कोतवाली थाना क्षेत्र में मकान बिक्री के एग्रीमेंट के नाम पर 30 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वार्ड क्रमांक 20, शांति नाथ मंदिर के पास निवासी प्रियंका शर्मा (38) पत्नी धर्मेन्द्र शर्मा ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका 15 बाय 40 फीट का तीन मंजिला पक्का मकान है, जिसमें वे परिवार सहित रहती हैं। वर्ष 2024 में रुपयों की आवश्यकता होने पर प्रियंका ने यह मकान 32 लाख रुपए में बेचने की मौखिक सहमति धर्मेन्द्र रघुवंशी (तुलसी सरोवर कॉलोनी, अशोकनगर) और सुशील रघुवंशी

(मंगराना, थाना म्याना, गुना) से की थी। सुशील रघुवंशी ने उनके पति के मोबाइल नंबर पर फोन-पे के माध्यम से अलग-अलग तारीखों में कुल दो लाख रुपए ट्रांसफर किए। शिकायत के अनुसार, 8 जनवरी 2025 को आरोपियों ने उन्हें रजिस्ट्री ऑफिस, तहसील अशोकनगर बुलाया और एग्रीमेंट कराया। प्रियंका शर्मा का आरोप है कि एग्रीमेंट से पहले धर्मेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि शेष राशि उसकी कार में रखी है और रजिस्ट्रार के सामने पूरी रकम प्राप्त होने की बात कहने को कहा। एग्रीमेंट होने के बाद रकम देने का आश्वासन दिया गया था। पीड़िता के मुताबिक, एग्रीमेंट के बाद जब उन्होंने और उनके पति ने शेष 30 लाख रुपए मांगे तो आरोपी शिवपुरी जाने का करने की बात कहकर चले गए।

भिंड में फूड सेफ्टी विभाग का अवैध डेयरी पर छापा, रिफाइंड ऑयल और ग्लूकोज मिलाकर तैयार हो रहा था मावा; सैंपल जांच के लिए भेजे

मीडिया ऑडीटर, भिंड (निप्र)। भिंड के मौ क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध डेयरी में मिलावटी मावा बनाने का भंडाफोड़ किया। जांच में सामने आया कि दूध से क्रीम निकालकर उसमें रिफाइंड पामोलिन ऑयल और ड्रायड ग्लूकोज पाउडर मिलाकर मावा तैयार किया जा रहा था। मौके से बड़ी मात्रा में मावा, दूध और मिलावटी सामग्री जब्त कर नमूने जांच के लिए भेजे गए।

ग्राम तारौली में की गई छापामार कार्रवाई: जानकारी के मुताबिक खाद्य सुरक्षा अधिकारी रेखा सोनी और रीना बंसल ने मौ स्थित ग्राम तारौली निवासी लल्लू सिंह परिहार की डेयरी पर छापामार कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान डेयरी में तीन टीन रिफाइंड पामोलिन ऑयल, 10 किलोग्राम ड्रायड ग्लूकोज पाउडर, तीन टीन

घी, लगभग 50 किलोग्राम मावा और करीब एक क्विंटल दूध संग्रहित पाया गया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि डेयरी पर दूध से क्रीम अलग कर शेष दूध में रिफाइंड पामोलिन ऑयल और ग्लूकोज पाउडर मिलाकर कृत्रिम रूप से मावा तैयार किया जा रहा था। मौके पर डेयरी संचालक के पास खाद्य लाइसेंस भी उपलब्ध नहीं मिला। अवैध डेयरी में मिलावटी मावा बनाने का भंडाफोड़ किया। अवैध डेयरी में मिलावटी मावा बनाने का भंडाफोड़ किया।

नमूने जांच के लिए भेजे, डेयरी बंद : खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत दूध, मावा, रिफाइंड पामोलिन ऑयल एवं ग्लूकोज पाउडर के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। संबंधित सामग्री को जब्त कर डेयरी संचालन तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया।

रतलाम में अवैध हथियारों के साथ 2 गिरफ्तार, 50 हजार की पिस्टल और 8 जिंदा कारतूस जब्त; उज्जैन से खरीदकर लाए थे

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के आलोट थाना क्षेत्र में पुलिस ने रविवार रात अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त मामले में बाइक सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 50 हजार रुपए कीमत की एक अवैध पिस्टल और 8 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। वर्तमान में पुलिस ने दोनों आरोपियों पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और सोमवार को उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि हथियारों के नेटवर्क की आगे जांच की जा सके।

आलोट थाना प्रभारी मुनेंद्र गौतम ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर रविवार रात जीवनगढ़ रोड स्थित महादेव मंदिर के पास नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान जावरा की तरफ से आ रही एक बाइक को रोका गया। इस बाइक पर दो लोग सवार थे।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी: पुलिस गिरफ्त में आरोपी। कमर में छिपाकर रखी थी पिस्टल और 8 कारतूस पुलिस ने जब दोनों युवकों को रोककर पूछताछ की तो उन्होंने अपना नाम शादाब (25 वर्ष, पिता शहजाद खां मेव) और जगदीश (26 वर्ष, पिता अमरनाथ कालबेलिया) बताया। दोनों आरोपी जावरा के थाना आईए अंतर्गत खेड़ाखेड़ी नयापुरा के निवासी हैं। पुलिस ने जब इनकी तलाशी ली, तो शादाब के पैंट के पीछे कमर में एक पिस्टल छिपी हुई मिली। पुलिस ने जब पिस्टल की मैगजीन को चेक किया, तो उसमें 8 जिंदा राउंड (कारतूस) भी बरामद हुए।

उज्जैन के व्यक्ति से खरीदे थे हथियार, तलाश जारी : थाना प्रभारी के अनुसार, पूछताछ में मुख्य आरोपी शादाब ने बताया कि उसने यह पिस्टल और कारतूस उज्जैन निवासी एजाज (पिता उस्मान मेव) से खरीदे थे। अब पुलिस इस मामले में हथियार बेचने वाले आरोपी एजाज की सरगर्मी से तलाश कर रही है। दोनों आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड लेगी ताकि हथियारों के उपयोग और खरीद-फरोख्त के नेटवर्क के बारे में सघन पूछताछ की जा सके।

आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज, बाइक भी की गई जब्त: पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तुरंत मौके पर ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और पिस्टल व जिंदा कारतूस को अपनी जब्ती में ले लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 25 और 27 आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। इसके साथ ही आरोपियों के पास मौजूद बाइक (क्रमांक एमपी 43 ज़ेडएल 2994) को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

चोरी के शक में युवक को बंधक बनाकर पीटा, 4-5 तोला सोने के जेवरात घर में ही मिले

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के सटई थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़रिया चौकी के नैगुवां गांव में 4-5 तोला सोने के जेवरात चोरी होने के शक में एक युवक को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटने की घटना सामने आई है। वर्तमान में पुलिस की जांच में चोरी का आरोप पूरी तरह झूठा साबित हुआ है, जिसके बाद पुलिस ने मारपीट करने वाले आरोपी मां-बेटे के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और गंभीर रूप से घायल युवक का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

पड़रिया चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर कमला ने इस मामले को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। उनका कहना है कि हीरानाथ पर लगाया गया चोरी का इल्जाम गलत है और जांच में झूठा साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि जिनके जेवरात गायब हुए थे, वह उन्हें उनके ही घर में ही मिल गए हैं। उसके चोरी के शक में बेवजह मारपीट की गई है।

थाने से छूटते ही दोबारा पकड़कर की मारपीट: घायल हीरानाथ ने बताया कि नैगुवां निवासी पड़ोसियों ने उस पर सोने के जेवरात चोरी करने का आरोप लगाया था। आरोप है कि गांव के ही पुष्पेंद्र नाथ, गीता और उनके परिजनों ने उसे पकड़कर घर के अंदर बंद कर दिया और जमकर मारपीट की। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने थाने में पूछताछ की और देर शाम वेरिफिकेशन के बाद उसे छोड़ दिया। लेकिन, थाने से निकलते ही आरोपियों ने उसे दोबारा पकड़ लिया और फिर से मारपीट की। इस बार उसे इतनी बुरी तरह पीटा गया कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

परिजनों ने कहा- जेवरात मिलने के बाद भी बेवजह पीटा: मारपीट के बाद परिजनों ने घायल हीरानाथ को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसके शरीर पर कई जगह गहरी चोटें पाई गई हैं। हीरानाथ की मां रुड़किया नाथ और भतीजे सूरज नाथ ने बताया कि उनका परिवार शादी-ब्याह में नागिन बैंड बजाने का काम करता है।

‘कोटला’ से 10 किमी के भीतर 60 हजार+ क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाएगा DDCA

डीपीएल 2026 पहले कराने की तैयारी

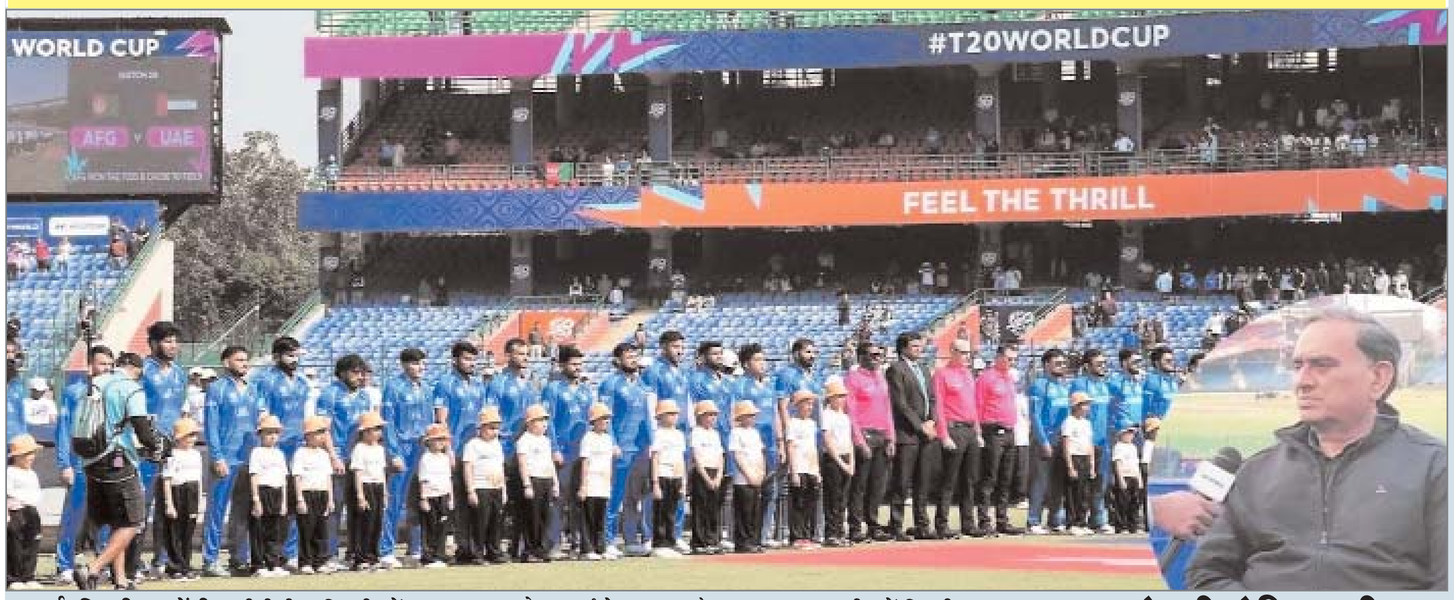

नई दिल्ली, एजेंसी। डीडीसीए दिल्ली में अरुण जेटली स्टेडियम से 10 किलोमीटर के दायरे में 60 हजार से अधिक क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाना चाहता है। जनसत्ता से खास बातचीत में डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा ने छ्रक्क (दिल्ली प्रीमियर लीग) 2026 को पहले आयोजित करने की योजना का भी खुलासा किया। नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अरुण जेटली स्टेडियम की मौजूदा दर्शक क्षमता 39 हजार है। अशोक शर्मा (इनसेट में) ने बताया यह दिल्ली की आबादी के लिहाज से बहुत ही ज्यादा कम है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अशोक शर्मा ने जनसत्ता के साथ खास बातचीत में दिल्ली क्रिकेट के भविष्य का रोडमैप सामने रखा। अशोक शर्मा ने बताया कि अरुण जेटली स्टेडियम (पूर्व में फिरोज शाह कोटला) से 10 किलोमीटर के दायरे में 60 हजार से अधिक दर्शक क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाने की तैयारी की जा रही है।

डीडीए से उपयुक्त जमीन मिलते के बाद निर्माण कार्य तेजी से शुरू करने की योजना है। साथ ही डीडीसीए 2026 में दिल्ली प्रीमियर लीग (छ्रक्क) को पहले आयोजित करने की दिशा में भी काम कर रहा है, ताकि घरेलू सत्र से पहले खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिल सके।

अरुण जेटली स्टेडियम की क्षमता 39 हजार ही

अशोक शर्मा ने बताया, ‘देखिए हमारी एपेक्स काउंसिल (शीर्ष परिषद) में यह फैसला किया गया था कि दिल्ली की आबादी के अनुसार एक और स्टेडियम होना चाहिए, जैसे मुंबई में तीन हैं। दिल्ली-एनसीआर इतना बड़ा है कि यहां के स्टेडियम की क्षमता 39 हजार है। हम चाहते हैं कि जो भी हमने डीडीए से जमीन देखी हैं, तो हम यह चाहते हैं कि वह हमारे स्टेडियम (अरुण जेटली स्टेडियम) से ज्यादा दूर नहीं हो।’

कम क्षमता के कारण मैनेज करने में होती है दिकत: अशोक शर्मा

अशोक शर्मा ने बताया, ‘इतनी बड़ी जमीन होनी चाहिए जिसमें 60 हजार से ज्यादा दर्शक क्षमता वाला स्टेडियम बनाया जा सके, क्योंकि आगे का अनुमान लगाते हुए कि दिल्ली की आबादी कहां जाएगी, क्योंकि दिल्ली की आबादी और एनसीआर की आबादी बहुत ज्यादा है। जब भी कोई अच्छा मैच होता है हमें मैनेज करने में थोड़ी दिक्कत होती है, क्योंकि देखने वाले ज्यादा होते हैं और अंदर दर्शक क्षमता कम होती है। अशोक शर्मा ने बताया, ‘हमें जितनी जल्दी डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) से जमीन मिल जाएगी हम उतनी जल्दी से जल्दी कंस्ट्रक्शन करा लेंगे और बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) भी हमारी (डीडीएसए/दिल्ली जिला एवं क्रिकेट एसोसिएशन) सहायता करेगा।’

डीडीसीए प्रेसीडेंट को डीडीए से मिला है आश्वासन

प्रक्रिया कहां तक बढ़ी के सवाल पर अशोक शर्मा ने कहा, ‘हमारे अध्यक्ष रोहन जेटली ने एलजी से बात की है। उनको आश्वासन मिला है कि डीडीए करीब में ही कोई जमीन उपलब्ध कराने की कोशिश करेगा। हमें नरेला स्थित एक जमीन ऑफर हुई थी, लेकिन बॉर्डर (दिल्ली की सीमा) पर है। हमने उनसे कहा कि ठीक है आप यह तो हमें ऑफर कर रहे हैं, लेकिन दो-तीन जगहें और दिखाइए तभी हम फैसला ले पाएंगे।’ अशोक शर्मा ने बताया, ‘अरुण जेटलीजी के समय में सराय काले खां के सामने डीडीए का स्पोर्ट्स सिटी बनाने का प्रोजेक्ट था। हमें भी वहां पर जमीन मिली थी, लेकिन किसी वजह से वह परियोजना मूर्तरूप नहीं ले पाई। तो दिल्ली को एक बड़े स्टेडियम की जरूरत है और हमारी कोशिश है कि हम जल्द से जल्द दिल्ली को बड़ा स्टेडियम दें।’

जिनती बड़ी जमीन, उतना बड़ा स्टेडियम

अशोक शर्मा ने कहा, ‘डीडीए हमें जितनी बड़ी जमीन देगा हम उतना पड़ा स्टेडियम बनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन सबकुछ डीडीए पर निर्भर है। बाकी रही फंड्स की बात तो हमारे पास पर्याप्त फंड है और बीसीसीआई भी हर स्टेडियम बनाने की लिए आर्थिक मदद देता है। और भी जगह जहां स्टेडियम बने हैं, बीसीसीआई ने वहां बड़े स्तर पर वित्तीय मदद दी है।’

चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी

अशोक शर्मा ने सितंबर 2025 में डीडीसीए की रणजी ट्रॉफी और अंडर-23 टूर्नामेंट के संभावित खिलाड़ियों के चयन को लेकर बैठक में हुए बवाल की खबरों को पूरी तरह से नकार दिया। उन्होंने कहा, ‘ये अफवाहें हैं। हर सीजन जब हमारी चयन प्रक्रिया शुरू होती है तो ये अफवाहें उठती हैं, लेकिन साबित तो कुछ होता नहीं। बोलने को कोई कुछ भी कहे। जिसका बच्चा चुन लिया जाता है या जिसका नहीं चुना जाता है तो दोनों ही तरफ से ये आवाजें उठती हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारी चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है।’ अशोक शर्मा ने बताया, ‘हम तैयारी करने के लिए हर स्तर पर ऐसे टूर्नामेंट कराते हैं जिसमें बच्चे खेलें और अपनी प्रतिभा दिखाते हुए आगे बढ़ें। हम अंडर-19 का ट्रायल टूर्नामेंट कराते हैं। अंडर-16 का ट्रायल टूर्नामेंट कराते हैं। अंडर-23 का टूर्नामेंट कराते हैं। रणजी ट्रॉफी के जो टॉपर्स हैं हमारे, हम उनका टूर्नामेंट कराते हैं। हमारा यह सीजन पूरे दो से ढाई महीने तक चलता है, क्योंकि बीसीसीआई का घरेलू सीजन अक्टूबर के पहले सप्ताह से शुरू होता है, तो हमारी तैयारी मई-जून से शुरू हो जाती है।’

मिली-जुली परफॉर्मेंस

बीसीसीआई की घरेलू प्रतियोगिताओं में दिल्ली की टीमों के प्रदर्शन को लेकर अशोक शर्मा ने कहा, ‘देखिए परफॉर्मेंस मिली-जुली आई है।

साउथ अफ्रीका से हार के बाद भी भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका से मिली हार डिफेंडिंग चैंपियन के लिए बड़ा झटका रहा, लेकिन इससे भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना अभी खत्म नहीं हुई है। भारत के पास अभी सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका है, लेकिन इसके लिए उसे काफी सावधानी से आगे बढ़ना होगा। भारत अब प्रोटियाज से हार के बाद किस तरह से सेमीफाइनल में पहुंच सकता है इसके बारे में जानते हैं।

भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने का समीकरण- भारत को अब सुपर 8 में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ मैदान पर उतरना है। टीम इंडिया को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इन दोनों टीमों के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी। यही नहीं भारत को कोशिश करनी होगी कि वो इन दोनों टीमों को बड़े अंतर से हराए और भारत का रन रेट बेहतरीन रहे। वहीं दूसरी तरफ साउथ अफ्रीका अपने अगले दोनों मुकाबले जीत लेती है तो इस टीम के 6 अंक हो जाएंगे और भारत के 4 अंक होंगे। इस स्थिति में भारत आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा, लेकिन भारत अगर एक भी मैच हारता है तो वो वर्ल्ड कप से बाहर हो जाएगा।

वेस्टइंडीज कर सकता है खेल खराब

वैसे भारत के लिए पेंच तब ज्यादा फंस सकता है जब साउथ अफ्रीका अपने अगले दो मैचों में से एक मैच हार जाए। इस स्थिति में भारत और साउथ अफ्रीका दोनों के 4-4 अंक हो जाएंगे। वहीं अगर साउथ अफ्रीका को वेस्टइंडीज ने हरा दिया और वो भारत से हार जाए, लेकिन जिम्बाब्वे से जीत जाए तो वेस्टइंडीज के भी 4 अंक हो जाएंगे। तब भारत, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज में से जिसका रन रेट बेहतर होगा वही टीम आगे बढ़ेगी। यानी भारत को ये दुआ करनी होगी कि साउथ अफ्रीका अपने अगले दोनों मुकाबले जीत जाए।

महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स

भारतीय टीम ने जीता खिताब, बांग्लादेश को 46 रन से हराया

बैंकॉक, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब जीत लिया है। टेर्डथाई क्रिकेट ग्राउंड, बैंकॉक में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को जीत के लिए 135 का लक्ष्य दिया था। बांग्लादेश की टीम 88 रन पर सिमट गई और 46 रन से खिताबी मुकाबला हार गई। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 44 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। वृंदा दिनेश 19, नंदीनी कश्यप और अनुष्का शर्मा 8-8, और मिनू मणी 0 पर आउट हो गई। 4 विकेट गंवाकर संकट में फंसी भारतीय टीम को तेजल हसबनीस और कप्तान राधा यादव ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 113 रन था, उस समय राधा यादव पांचवें विकेट के रूप में 30 गेंदों पर 1 छक्के और 3 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। तेजल हसबनीस ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 34 गेंद पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुईं। इन दोनों की बदौलत भारतीय टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए थे। बांग्लादेश की तरफ से कप्तान फाहिमा खातून ने अच्छी गेंदबाजी की और 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट लिए। फरजाना एसमिन और फातिमा जहान सोनिया ने 1-1 विकेट लिए। 135 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर सिमट गई और 46 रन से मैच हार गई। बांग्लादेश की तरफ से विकेटकीपर शमिमा सुल्ताना ने 20, सरमिन सुल्ताना ने 18, और कप्तान फहिमा खातुन ने 14 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने नहीं टिक सकीं।

मिलर ने मैक्सवेल को पीछे छोड़ बनाया छक्कों का वर्ल्ड रिकॉर्ड, 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर खास कीर्तिमान किया अपने नाम

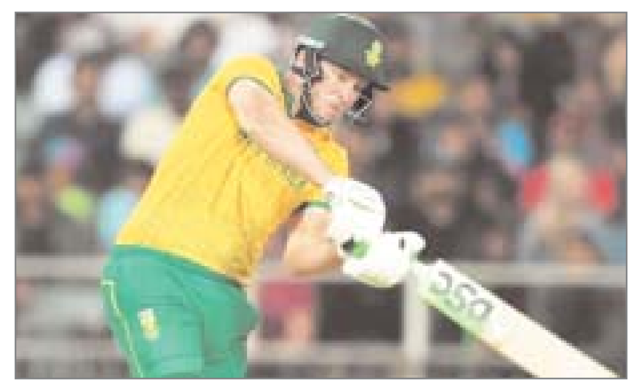

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ सुपर 8 के मुकाबले में साउथ अफ्रीका के अनुभवी बैटर डेविड मिलर ने शानदार पारी खेली। मिलर की ये पारी तब सामने आई जब प्रोटियाज ने अपने पहले 3 विकेट सिर्फ 20 रन के स्कोर पर गंवा दिए थे। मिलर इस मैच में भारत के खिलाफ साउथ अफ्रीका की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने साथ ही वो टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर भी बने।

मिलर ने तोड़ा मैक्सवेल का रिकॉर्ड

मिलर ने भारत के खिलाफ अपनी 63 रन का पारी के दौरान 3 छक्के लगाए और उन्होंने अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। मिलर ने भारत के खिलाफ अब तक कुल 39 छक्के लगाए हैं जबकि मैक्सवेल ने भारत के खिलाफ कुल 38 छक्के लगाए हैं। तीसरे नंबर पर 3 छक्कों के साथ निकोलस पूरन मौजूद हैं।

साउथ अफ्रीका ने रोका भारत का विजय रथ

टी20 वर्ल्ड कप : , सुपर-8 मुकाबले में 76 रनों से हराया, इतिहास में सबसे बड़ी हार

अहमदाबाद, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया के विजय रथ पर साउथ अफ्रीका ने ब्रेक लगा दिया है। रविवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सुपर-8 राउंड के मुकाबले में भारतीय टीम को 76 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारत ने ग्रुप स्टेज में जीत का ‘चौका’ लगाया था। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में रनों के अंतर से टीम इंडिया की सबसे बड़ी शिकस्त है। साउथ अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ईशान किशन बिना खाता पवेलियन लौटे। तिलक वर्मा की खराब फॉर्म इस मैच में भी जारी रही और वह सिर्फ एक रन ही बना सके। वहीं, अभिषेक शर्मा 12 गेंदों में 15 रन बनाने के बाद मार्को जानसेन की गेंद पर पवेलियन लौटे। कप्तान सूर्यकुमार यादव 2 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद कॉर्बिन बॉश का शिकार बने। वॉशिंगटन सुंदर 11 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक पांड्या 17 गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रिंकू सिंह केशव महाराज की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में गेंद को सीधा ट्रिस्टन स्टब्स के हाथों में मार बैठे और खाता तक नहीं खोल सके।

अर्शदीप सिंह भी सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए, जबकि बुमराह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। भारत की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर सिमट गई। शिवम दुबे ने भारत की ओर से 37 गेंदों में सर्वाधिक 42 रन बनाए। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की तरफ से मार्को जानसेन ने 3.5 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं, केशव महाराज ने महज 24 रन खर्च करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए। इससे पहले, टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। क्विंटन डी कॉक सिर्फ 6 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। वहीं, कप्तान एडेन मार्करम भी सिर्फ 4 रन बनाकर अर्शदीप सिंह का शिकार बने। इसके बाद रयान रिकेल्टन भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 7 रन बनाकर आउट हुए।

20 रनों के स्कोर पर 3 विकेट गंवा चुकी साउथ अफ्रीका की लड़खड़ाती हुई पारी को डेवाल्ड ब्रेविस और डेविड मिलर ने संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 97 रनों की अहम साझेदारी की। ब्रेविस 29 गेंदों में 45 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, मिलर ने महज 35 गेंदों का सामना करते हुए 63 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान मिलर ने 7 चौके और 3 छक्के जमाए।

ट्रिस्टन स्टब्स ने सिर्फ 24 गेंदों में 44 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसके दम पर साउथ अफ्रीकी टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 187 रन लगाने में सफल रही। गेंदबाजी में भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 4 ओवर में महज 15 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि अर्शदीप सिंह ने दो विकेट निकाले।

बुमराह ने डिकॉक को तीसरी बार किया आउट

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मैच में रविवार (22 फरवरी)को दूसरे ही ओवर में विकेट लेकर भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने साउथ अफ्रीका को बैकफुट पर ढकेल दिया। बुमराह ने साउथ अफ्रीका के ओपनर क्विंटन डिकॉक को दूसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर बोल्ड करदिया। डिकॉक ने 7 गेंद पर 1 चौके की मदद से 6 रन बनाए। क्विंटन डिकॉक ने आउट होने से एक गेंद पहले ही चौका मारा था। अगली गेंद वह बोल्ड हो गए। बुमराह ने डिकॉक को टी20 में तीसरी बार आउट किया। बुमराह के खिलाफ उनका रिकॉर्ड काफी खराब है। 8 पारियों में 27 गेंद पर उन्होंने 29 रन बनाए हैं। उनका औसत 9.66 और स्ट्राइक रेट 107.40 का है।

अक्षर पटेल को न खिलाकर हुई गलती

साउथ अफ्रीका से हार के बाद गंभीर के साथी डोएशे ने माना

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल को न खिलाने को भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रणनीतिक फैसला बताया था।

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 के मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम को 76 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप में रन के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। अहमदाबाद में रविवार (22 फरवरी) को भारतीय टीम बगैर उपकप्तान अक्षर पटेल के उतरी। उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर खेले, लेकिन गेंद या बल्ले से प्रभाव नहीं डाल पाए। मैच के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथी रेयान टेन डोएशे ने स्वीकार किया कि अक्षर को न खिलाकर गलती हुई। रेयान टेन डोएशे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,’हमने विचार-विमर्श करने में काफी समय लगाया। हम मैचअप देख रहे थे। पीछे मुड़कर देखने पर यह गलत फैसला लगा। अक्षर पर सवाल नहीं है। बहुत निराश हैं। किसी से वर्ल्ड कप थाली में परोसकर देने की उम्मीद नहीं करते। हमें एक गलती करने की छूट है। खिलाड़ी वापसी कर सकते हैं। दो बड़े मैच आने वाले हैं।’

अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर खेले

भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के दौरान कहा कि वह नीदरलैंड्स के खिलाफ प्लेइंग 11 के साथ ही उतरेंगे। उन्होंने अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को खिलाने को रणनीतिक फैसला बताया। उन्होंने कहा, ‘यह अक्षर पटेल के लिए बहुत कठिन फैसला है, लेकिन हम उसी टीम के साथ जा रहे हैं। यह सिर्फ एक रणनीतिक फैसला है। इसलिए पिछले मैच से कोई बदलाव नहीं है।’

भारत का रनरेट काफी खराब- साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर आउट हो गई। इस बड़ी हार से भारतीय टीम सुपर-8 के ग्रुप 1 में अंतिम स्थान पर पहुंच गई। उसका रनरेट -3.800 हो गया। साउथ अफ्रीका पहले नंबर पर पहुंच गया। भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बड़ी जीत दर्ज करनी होगी।

एनडीपीएस केस में खाकी पर कड़ा प्रहार

रीवा एसपी ने मनगवां थाने के टीआई समेत 3 को किया सस्पेंड, विभाग में मचा भूचाल!

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नशे के खिलाफ सख्ती की नीति को ज़मीन पर उतारते हुए शैलेन्द्र सिंह पुलिस अधीक्षक रीवा ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। मनगवां थाना के अपराध क्रमांक 110/26 में धारा 8, 21, 22 एनडीपीएस एक्ट एवं 5/13 औषधि नियंत्रण अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई के दौरान मिली शिकायतों की जांच में तीन पुलिसकर्मियों का आचरण प्रथम दृष्टया भ्रष्ट और संदिग्ध पाया गया। इसके बाद एसपी ने तत्काल प्रभाव से निलंबन आदेश जारी कर दिया।

निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में कार्यवाहक निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़ आरक्षक क्रमांक 500 विजय यादव और आरक्षक क्रमांक 592 बृजकिशोर अहिरवार शामिल हैं। जांच रिपोर्ट में इनके कृत्य को अवचार (misconduct) की श्रेणी में माना गया है तथा पुलिस रेग्युलेशन के पैरा 64 (2) (3) के उल्लंघन का उल्लेख किया गया है। 23 फरवरी 2026 के अपरान्ह से तीनों को सस्पेंड कर दिया गया।

आदेश के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई। सूत्रों के अनुसार एसपी शैलेन्द्र सिंह ने स्पष्ट किया है कि एनडीपीएस जैसे गंभीर मामलों में किसी भी प्रकार की संदिग्ध भूमिका या नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय स्तर पर इसे जवाबदेही और पारदर्शिता की दिशा में कड़ा संदेश माना जा रहा है।

निलंबन अवधि में संबंधित पुलिसकर्मियों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। उनका मुख्यालय रक्षित केन्द्र रीवा निर्धारित किया गया है और उन्हें रक्षित केन्द्र में होने वाली दैनिक गणना में अनिवार्य उपस्थिति दर्ज करनी होगी।

अब सबकी निगाहें आगे की विभागीय जांच पर टिकी हैं, जो यह तय करेगी कि मामला केवल अनुशासनहीनता तक सीमित है या इसके पीछे और भी गंभीर तथ्य सामने आते हैं।

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन क्रियान्वयन समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में पशुधन के डिजिटल डाटा प्रबंधन अंतर्गत गठित जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में पशु पहचान, नस्ल सुधार, टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य एवं पशु प्रजनन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने व इसकी सतत निगरानी के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्रियान्वयन के सुधारात्मक प्रावधान अन्तर्गत प्रशिक्षण दिलाएं ताकि पशुओं के टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि पशुपालकों से पशुओं के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं जिससे पशुओं को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिलाया जा सके। बैठक में पशुपालन विभाग द्वारा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में डिजिटल डाटा प्रबंधन के क्रियान्वयन हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों के संबंध में जानकारी दी गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नोडल अधिकारियों से समन्वय कर जिले के पशुधन डेटा की सटीकता व पूर्णता सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा पीडब्लूडी कार्यालय में चढ़ोतरी का खेल बिना लेन-देन के नहीं बढ़ती फाइलें!

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य की धरती पर विकास कार्यों की रफ्तार को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। रीवा स्थित लोक निर्माण विभाग कार्यालय में कथित रूप से रिश्वतखोरी का खेल चलने की चर्चा तेज हो गई है। विभागीय सूत्रों का दावा है कि यहां बिना चढ़ोतरी के कोई भी फाइल आगे नहीं सरकती। आरोप है कि दफ्तर में पदस्थ एक बाबू जिन्हें कर्मचारी पांडेय बाबू के नाम से पुकारते हैं, बिना लेन-देन के काम करने को तैयार नहीं होते।

ठेकेदारों का कहना है कि बिल पास कराना हो, माप पुस्तिका में एंट्री करानी हो या भुगतान से जुड़ी प्रक्रिया पूरी करानी हो हर टेबल पर इशारा साफ रहता है। सूत्र बताते हैं कि यदि कोई ठेकेदार रिवाज निभाने से इंकार कर दे तो उसकी फाइल हफ्तों तक अटक जाती है। वहीं संकेत मिलते ही वही फाइल तेज रफ्तार से आगे बढ़ती नजर आती है। चर्चा यह भी है कि यह खेल केवल एक टेबल तक सीमित नहीं है। बल्कि बाबू से लेकर लेखापाल स्तर तक सेटिंग के बिना बात आगे नहीं बढ़ती। रीवा जिले में सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्य पहले ही सुस्त रफ्तार से चल रहे हैं। ऐसे में यदि विभाग के भीतर ही पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हों तो विकास कार्यों की गुणवत्ता और गति दोनों प्रभावित होना तय है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही हाल रहा तो जनता को बेहतर सड़क और भवन निर्माण की उम्मीद अधूरी ही रह जाएगी। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं क्या रीवा पीडब्लूडी कार्यालय में कथित चढ़ोतरी संस्कृति पर अंकुश लगेगा या विकास की रफ्तार यूं ही रिश्वत की भेंट चढ़ती रहेगी।

आदि सेवा केंद्रों की होगी जियो-टैगिंग और भौतिक सत्यापन, जारी किए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में 'आदि कर्मयोगी अभियान' के तहत संचालित आदि सेवा केंद्रों को अधिक सशक्त और पारदर्शी बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आदि कर्मयोगी अभियान के अन्तर्गत स्थापित आदि सेवा केन्द्रों से संबंधित की जाने वाली कार्यवाहियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आदि सेवा केंद्रों को मानक स्तर का, सुदृढ़ और लंबे समय तक क्रियाशील बनाए रखने के लिए उनकी समयबद्ध मैपिंग, भौतिक सत्यापन और रिपोर्टिंग करें। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत आने वाले गांवों में स्थापित केंद्रों की मैपिंग अनिवार्य रूप से करें। इसमें ग्राम पंचायत भवन, कॉमन सर्विस सेंटर, विद्यालय, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित आदि सेवा केंद्रों को शामिल करें। प्रत्येक केंद्र का भौतिक सत्यापन कर पोर्टल पर उसका पूरा विवरण दर्ज करें। इसमें जियो-कोऑर्डिनेट्स डेस्कटॉप कंप्यूटर की उपलब्धता, प्रतीक्षालय, निर्बाध बिजली-पानी की व्यवस्था, कमरों की संख्या और चालू शौचालय की जानकारी उपलब्ध कराएं।

रोजगार मेला टी.आर.एस. कॉलेज रीवा मे 25 फरवरी को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत टी.आर.एस. कॉलेज रीवा में 25 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मेला के आयोजन के लिये विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। रोजगार मेले में 44 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 7000 रुपए से 35 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक रोजगार अनिल जिंदल पाइप्स गाजियाबाद, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा, एनआरबी बायरिंग लि. महाराष्ट्र हायर अप्लीएन्सेस पुणे जेके टायर्स उन्नति एग्रोटेक रामवन सज्जनपुर सतना तथा जेएबीआईएल सर्किट इंडिया प्रा. लि. रंजनगांव प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा तथा अलर्ट एसजीएस प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़ की कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का अभियान चलाकर निराकरण करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय सीमा बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का विभागीय अधिकारी अभियान चलाकर तत्काल निराकरण करायें। कलेक्टर्स कांफ्रेंस में यह एजेण्डा बिन्दु है अतः इसमें शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। कलेक्टर ने महिला बाल विकास, राजस्व एवं खाद्य विभाग की लंबित शिकायतों को निराकृत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग अन्तर्गत नामांतरण, बटवारा, सीमांकन तथा खसरा अपडेट के लंबित प्रकरणों का निराकरण करायें तथा जिन हल्कों के पटवारियों द्वारा खसरा अपडेट न किये गये

हो वहां के पटवारियों के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही एसडीएम करें। उन्होंने निर्देश दिये कि कोई भी विभाग डी या सी श्रेणी में न रहे जो विभाग इस श्रेणी में हों उनके विभाग प्रमुख की वेतन वृद्धियाँ रोके जाने की कार्यवाही की जाय। सभी अधिकारी समाधान एक दिन तथा लोक सेवा गारंटी योजना के आवेदनों का तय समय सीमा में निराकरण करें। प्रकरणों के समय सीमा से बाहर होने पर जुर्माने की कार्यवाही करें। लेक्टर ने धरती आबा योजना में शामिल गांवों के हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किये जाने, किसानों के शेष बची फार्मर रजिस्ट्री के लिये ईकेवायसी अपडेट कराने के भी निर्देश बैठक में दिये। उन्होंने स्वरोजगार योजना के प्रकरणों की स्वीकृति के लिये अधिकारियों को बैंक से समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने अग्रणी जिला प्रबंधक को निर्देशित किया कि बैंकों में प्रस्तुत स्वरोजगार संबंधी प्रकरणों में 28 फरवरी तक शत प्रतिशत स्वीकृति दिलाये।

मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराने आदिवासी पीड़ित महिला थाने का लगा रही चक्कर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जवा थाना क्षेत्र अंतर्गत गाढ़ा 138 मुख्य टोला की आदिवासी महिला प्रभा कोल और उसके पति उमेश कोल ने एक गंभीर आरोप लगाया है कि 19 फरवरी 2026 को सुबह लगभग 10 बजे के आसपास, जब वह गोबर पाथने बाबूलाल तिवारी के घर गई थीं, तो उनके साथ मारपीट की घटना हुई। घटना के बारे में महिला ने बताया कि जब वह बाबूलाल तिवारी के घर से बाहर निकली, तभी सामने के घर से बुजुर्ग लखन तिवारी बाहर आए और गाली-गलौज करने लगे मना करने पर लखन तिवारी ने लाठी से हमला किया। महिला ने लाठी पकड़ ली, लेकिन लखन तिवारी ने सिर झुका कर चोटी पकड़कर

मुक्के से उसकी बुरी तरह से पिटाई की। इस हमले में महिला के पीठ, गाल और कनपटी में गंभीर चोटें आईं पीड़िता ने इस घटना की रिपोर्ट लिखाने के लिए जवा थाने में शिकायत की, लेकिन आरोप है कि वहां के मुंशी दुर्गा मिश्रा ने आवेदन तो लिया लेकिन न तो रिपोर्ट दर्ज की गई और न ही मेडिकल जांच कराई गई। पीड़िता के पति उमेश कोल ने बताया कि उनका और लखन तिवारी का पुराना विवाद चल रहा था, क्योंकि उन्होंने रावेन्द्र द्विवेदी का खेत अधिया में लिया था, जो लखन तिवारी को नहीं पसंद था। इसी वजह से लखन तिवारी ने उनकी पत्नी पर हमला किया। इस घटना के तीन गवाह हैं - शिवकुश बबली और बाबूलाल तिवारी। इस मामले में जवा थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश साहू ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है, और वे मामले की जांच कर रहे हैं। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर उचित कार्यवाही की जाएगी।

विकसित भारत मिशन : रोजगार गारंटी के लिए चलेगा जन-संवाद अभियान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केंद्र सरकार की विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका की गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 के प्रावधानों को आम जन तक पहुँचाने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने रीवा और मऊगंज जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इस विशेष आई.ई.सी. (सूचना, शिक्षा एवं संचार) कार्यक्रम का लक्ष्य ग्रामीण स्तर पर रोजगार अधिकारों को सुदृढ़ करना और मजदूरी भुगतान प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। सरकार का उद्देश्य है कि पंचायत आधारित योजनाओं के क्रियान्वयन को सशक्त बनाया जाए और ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। जिला पंचायत सीईओ ने कहा है कि विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर सार्वजनिक संवाद आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। कार्यक्रमों की नियमित निगरानी की जाएगी और समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। गतिविधियों के दस्तावेजीकरण के लिए उच्च गुणवत्ता वाले फोटो और वीडियो के साथ साप्ताहिक प्रतिवेदन भेजना अनिवार्य होगा। सभी अधिकारी अपने क्षेत्रों में इस मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस कदम से ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उन तक पहुँचाने में मदद मिलेगी।

एकल ग्राम नलजल योजना के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करें : प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी

प्रमुख सचिव ने रीवा एवं शहडोल संभाग की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी पी नरहरि ने भोपाल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से रीवा एवं शहडोल संभाग में एकल ग्राम नलजल योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि गुणवत्तापूर्ण कार्य समय सीमा में पूरे किए जाएं। इसकी गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिन संविदाकारों के कारण कार्य में विलंब हो रहा हो उनके विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में नरहरि ने कहा कि रीवा एवं शहडोल संभाग एकल नलजल योजना में प्रदेश के अन्य संभाग में अपेक्षाकृत निचले पायदान पर हैं। कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत लगातार मानीटरिंग कर कार्य को गति दिलवाएं। उन्होंने संभागायुक्तों से अपेक्षा की कि वह योजना की प्रगति की नियमित मानीटरिंग करें ताकि सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण हो

सकें। प्रमुख सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कहा कि भारत सरकार की हर घर शुद्ध जल पहुंचाने की यह महत्वपूर्ण योजना है। इसमें प्रदाय की गई राशि का पूरी तरह से सदुपयोग हो तथा समय सीमा में ग्रामवासियों को शुद्ध जल मिल सके। उन्होंने कहा कि रीवा संभाग में एकल नलजल योजना अन्तर्गत घरेलू नलजल के 60148 कार्य शेष हैं। अभियान चलाकर कार्य को गति देते हुए 31 मार्च 2026 तक सभी कार्य पूरे कर लिए जाएं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल ने बताया कि रिवीजन में लिए जाने के कारण नई निविदा के कार्य से देरी हुई है। इनमें से 17 हजार कनेक्शन मार्च तक तथा शेष 10 हजार कनेक्शन जून माह तक पूरे करा लिए जाएंगे। प्रमुख सचिव ने रीवा एवं शहडोल संभाग में एकल नलजल योजना के पूर्ण कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि पूरी हो गई योजनाओं का समारोहपूर्वक ग्राम पंचायत को हस्तांतरण किया जाए। उन्होंने जिला स्तर से समन्वय बनाकर सभी कार्यों को पूर्ण किए जाने की अपेक्षा की। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में जल सेवा आकलन, पीएम गतिशक्ति एवं पुनरीक्षित योजनाओं से बसाहटों में प्रदाय किए जाने वाले नल कनेक्शन की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर कमिश्नर बीएस जामोद ने आश्वस्त किया कि लगातार मानीटरिंग कर कार्य को समय सीमा में पूरा करा लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पाइपलाइन की उपलब्धता न होने के कारण कार्य में विलंब हुआ है। अधीक्षण यंत्री को भी नियमित मानीटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर कार्यालय के व्हीसी कक्ष में कलेक्टर मैहर रानी बाटड, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, अधीक्षण यंत्री महेन्द्र सिंह उपस्थित रहे तथा संबंधित जिलों के कलेक्टर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

गिद्धों की गणना में बढ़ा कुनबा, संरक्षण की दिशा में सकारात्मक संकेत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक उत्साहजनक खबर सामने आई है। 20 से 22 फरवरी 2026 तक वन विभाग द्वारा आयोजित गिद्ध गणना में रीवा एवं मऊगंज वन परिक्षेत्र में कुल 669 गिद्ध दर्ज किए गए। इस अभियान में वन विभाग के साथ वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के सहयोग से समग्र जन चेतना विकास परिषद ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे संरक्षण प्रयासों को नई मजबूती मिली। संस्था के संचालक एवं गिद्ध संरक्षण से जुड़े सुमित सिंह ने बताया कि यह निश्चित रूप से एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि गिद्ध हमारे पर्यावरण, समुदाय और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। वन विभाग और प्रशासन के सामूहिक प्रयासों से गिद्धों की संख्या में सुधार दिख रहा है। साथ ही प्रजनन और घोंसलों में भी वृद्धि इस वर्ष गणना के दौरान गिद्धों के प्रजनन स्थलों और सक्रिय घोंसलों की संख्या में भी बढ़ोतरी देखी गई है, जो भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। किन्तु आगे की चुनौतियाँ भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि गिद्ध संरक्षण को और मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। इसके तहत वल्चर फीडिंग स्टेशन की स्थापना, सुरक्षित भोजन की व्यवस्था, विषाक्त दवाओं पर सख्ती तथा अन्य वन्यजीव संरक्षण पहलों का विस्तार आवश्यक है। सामूहिक भागीदारी और निरंतर प्रयासों से गिद्ध संरक्षण को और मजबूत किया जा सकता है, जिससे पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।